Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 73
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
शनिवार, 21 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 चवदार तालाब सत्याग्रह से समानता का ...

4 ईरान-इजरायल संकट : युद्ध की आग और ...

7 बीसीसीआई ने अफवाहों पर लगाया विराम...

संक्षिप्त न्यूज

सीएम स्टालिन ने ई पलानीस्वामी की दिल्ली यात्रा पर उठाए सवाल
कहा- अन्नाद्रमुक का ध्यान कहीं और

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री और द्रमुक (डीएमके) अध्यक्ष एमके स्टालिन ने विपक्षी नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, पलानीस्वामी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से गठबंधन पर चर्चा के लिए दिल्ली गए थे। स्टालिन ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि विपक्षी दल के फैसले अब तमिलनाडु के बाहर लिए जा रहे हैं।

पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे एक पत्र में स्टालिन ने ईपीएस की दिल्ली यात्रा के मकसद पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या यह यात्रा तमिलनाडु के लिए जरूरी फंड मांगने के लिए थी? क्या वे राज्य के रुके हुए प्रोजेक्ट्स को पूरा कराने दिल्ली गए थे? या फिर वे राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए वहां पहुंचे थे? स्टालिन ने खुद ही जवाब देते हुए कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। उनका ध्यान कहीं और है और राज्य की जनता यह सब अच्छी तरह समझ रही है।

स्टालिन ने साफ शब्दों में कहा कि तमिलनाडु के लोग कभी भी दिल्ली का दबदबा स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि कौन राज्य के अधिकारों और विकास के लिए मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए तैयारी तेज करने की अपील की। स्टालिन ने भरोसा जताया कि द्रमुक और उसका गठबंधन फिर से बड़ी जीत हासिल करेगा।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के कामकाज को द्रविड़ियन मॉडल 2.0 बताया। उन्होंने जानकारी दी कि 17 मार्च से वे अन्ना अरिवलयम में उम्मीदवारों के इंटरव्यू ले रहे हैं। इस काम में पार्टी के वरिष्ठ नेता भी उनके साथ जुटे हैं।

पीएम मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन को दी बधाई, कहा- और मजबूत करेंगे साझेदारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अनुतिन चर्नविराकुल को थाईलैंड का प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता मिलकर भारत और बैंकॉक के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के रिश्ते साझा सभ्यता और संस्कृति पर आधारित हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच बहुत पुराने और गहरे संबंध हैं। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देश शांति, प्रगति और समृद्धि के साझा लक्ष्यों के लिए एकजुट हैं।

थाईलैंड के निचले सदन ने गुरुवार को अनुतिन चर्नविराकुल को देश का नया प्रधानमंत्री चुना। उन्हें कुल 293 वोट मिले। 59 साल के अनुतिन को 8 फरवरी के आम चुनाव के बाद संसदीय मतदान में चुना गया है। उनके प्रतिद्वंद्वी नत्थाफोंग रुआंगपान्यवुत को सिर्फ 119 वोट मिले। मतदान के दौरान 86 सदस्यों ने हिस्सा नहीं लिया। अनुतिन की पार्टी 'भूमजईथाई' ने 500 सीटों वाले सदन में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने पीपुल्स पार्टी को पीछे छोड़ दिया, जिसे 120 सीटें मिली थीं। इसके बाद अनुतिन ने 16 पार्टियों का एक गठबंधन बनाया। इसमें फेउ थाई पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन के पास कुल 292 सीटें हैं।

अनुतिन पिछले दो दशकों में दोबारा सत्ता में लौटने वाले पहले थाई प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि, उनके सामने कई चुनौतियां भी हैं। उन्हें साल 2022 में भांग (कैनबिस) को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए जाना जाता है। अगस्त 2025 में पैतोंगतार्न शिनावात्रा को पद से हटा दिया गया था। कंबोडियाई नेता हुन सेन के साथ उनकी फोन कॉल लीक होने के बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया था। इसके बाद अनुतिन ने अल्पसंख्यक सरकार का नेतृत्व किया था।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद भी एक बड़ी समस्या है। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के बाद फिर से लड़ाई शुरू हो गई थी। इस संघर्ष ने अनुतिन को अपनी राष्ट्रवादी छवि मजबूत करने और बहुमत हासिल करने का मौका दिया। अनुतिन के पिता चवरत चर्नविराकुल ने एक बड़ी निर्माण कंपनी 'सिनो-थाई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन' की स्थापना की थी। अनुतिन ने साल 2004 में अरबपति थाक्सिन शिनावात्रा के प्रशासन से राजनीति में कदम रखा था। साल 2007 में कोर्ट ने थाक्सिन की पार्टी को भंग कर दिया था। इसके बाद अनुतिन पर भी पांच साल के लिए राजनीति से प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसके बाद वे साल 2012 में भूमजईथाई पार्टी के नेता के रूप में राजनीति में वापस लौटे।

गोवा में बड़ा डायरिया प्रकोपः एक हफ्ते में 149 लोग बीमार, पानी दूषित होने का शक

गोवा के दक्षिण गोवा जिले के डाबोलिम स्थित एक आवासीय परिसर में डायरिया (दस्त) का बड़ा प्रकोप सामने आया है। एक सप्ताह के भीतर 149 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं, और इसके पीछे पानी के दूषित होने की आशंका जताई जा रही है।

यह मामला प्रभु वायलेटा नामक आवासीय परिसर का है, जहां लगभग 200 अपार्टमेंट हैं। प्रभावित लोगों में बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। कई लोगों को उल्टी, निर्जलीकरण और पेट में तेज दर्द की शिकायत हुई है, जबकि कई को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

बिल्डर पर गंभीर आरोप

निवासियों ने बिल्डर प्रभु रियल्टर्स के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि परिसर के अंदर बिना उपचारित सीवेज को अवैध रूप से बहाया जा रहा था, जिससे पानी दूषित हुआ और सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे में पड़ गया।

जांच में जुटे अधिकारी

कोर्टालिम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) द्वारा 14 मार्च से घर-घर सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 149 मामले सामने आए। अधिकारियों ने पानी के कई नमूने लिए हैं, जिनमें फ्लैट का पानी, भूमिगत टैंक, स्विमिंग पूल और बागवानी के लिए उपयोग होने वाली सीवेज लाइन शामिल हैं।

गोवा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में दूषित पानी को संक्रमण का संभावित कारण माना जा रहा है।

एहतियाती कदम उठाए गए

कोर्टालिम पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजन लोटलिकर ने बिल्डर को निर्देश दिया है कि जांच रिपोर्ट आने तक बोरवेल का पानी तुरंत बंद किया जाए, क्योंकि यह संक्रमण का संभावित स्रोत हो सकता है।

नवरात्रि का तीसरा दिन

मां चंद्रघंटा

नवरात्रि की तीसरी शक्ति है मां चंद्रघंटा. तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है. इन्हें पापों की विनाशिनी कहा जाता है. मान्यता है कि चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की उपासना से साहसी और पराक्रमी बनने का वरदान मिलता है.

कैसे पड़ा मां चंद्रघंटा का नाम ?

मां दुर्गा का तीसरा रूप हैं मां चंद्रघंटा। युद्ध मुद्रा में सिंह पर विराजमान मां चंद्रघंटा के इनके हाथों में तलवार, त्रिशूल, धनुष व गदा धारण हैं। इनके माथे पर घंटे के आकार में अर्द्ध चंद्र विराजमान है, इसलिए ये चंद्रघंटा कहलाती हैं।मां चंद्रघंटा तंभ साधना में मणिपुर चक्र को नियंत्रित करती है और ज्योतिष में इनका संबंध मंगल ग्रह से होता है। शास्त्रों के अनुसार, मां चंद्रघंटा ने राक्षसों के संहार के लिए अवतार लिया था। इनमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों की शक्तियां समाहित हैं।

मां चंद्रघंटा की पूजा विधि

मां चंद्रघंटा की पूजा में लाल और नारंगी रंग का अधिक प्रयोग करें। नवरात्रि के तीसरे दिन मणिपुर चक्र पर 'रं' अक्षर का जाप करने से मणिपुर चक्र मजबूत होता है। इससे मंगल के अशुभ प्रभाव में कमी आती है। माता रानी को लाल चंदन, लाल चुनरी, लाल फूल और लाल फल(सेब) अर्पित करें। देवी दुर्गा के हर रुप को विशेष प्रसाद चढ़ाया जाता है। मां चंद्रघंटा को दूध से बनी मिठाई का भोग लगाएं और फिर देवी की आरती करें। इस तरह मां चंद्रघंटा की पूजा करने से साहस के साथ सौम्यता और विनम्रता में वृद्धि होती है

मां चंद्रघंटा का मंत्र

ऐं श्रीं शक्तयै नमः
या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमो नमः।।
पिण्डजप्रवरारूढ़ा ण्डकोपास्त्रकेर्युता। प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघण्टेति विश्रुता?

'महंगाई की मार पड़ने वाली है', प्रीमियम पेट्रोल-इंडस्ट्रियल डीजल के दाम बढ़ने पर कांग्रेस का निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। विपक्षी पार्टी ने कहा कि जनता पर महंगाई की जबरदस्त मार पड़ने वाली है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विपक्षी पार्टी ने लिखा, 'महंगाई मैन' मोदी का हंटर फिर चला। प्रीमियम पेट्रोल 2 रुपए महंगा कर दिया गया। जहां लोग पहले ही गैस की किल्लत से परेशान हैं, वहीं अब उनसे पेट्रोल पर भी वसूली की जाएगी।

इसके बाद एक दूसरे एक्स पोस्ट में कांग्रेस ने लिखा, 'महंगाई मैन' ने दिया एक और झटका। पेट्रोल के बाद इंडस्ट्रियल डीजल भी 22 रुपए महंगा हुआ। इसका मतलब है- आप पर महंगाई की जबरदस्त मार पड़ने वाली है।

तेल विपणन कंपनियों ने भारत में प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी

का एलान किया है, जिससे विशेष ईंधन का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मार्च 2026 से प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में दो रुपये से लेकर 2.3 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है। पुणे में नई कीमतों के अनुसार, 'स्पीड' और 'पावर' जैसे प्रीमियम पेट्रोल के दाम में 2.09 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। पहले इस पेट्रोल का भाव 111.68 रुपये प्रति लीटर था, जो अब बढ़कर 113.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

यह फैसला मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक ईंधन बाजारों पर इसके बढ़ते असर के कारण लिया गया है। हालांकि, आम उपभोक्ताओं के लिए यह एक बड़ी राहत की बात है कि नियमित (रेगुलर) पेट्रोल की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है।

किन ब्रांड्स पर पड़ा असर?

डीलरों के माध्यम से प्राप्त जानकारी में कहा गया है, इस ताजा मूल्य वृद्धि का सीधा असर प्रमुख तेल कंपनियों के ब्रांडेड ईंधनों पर देखने को मिला है। इनमें हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचसीएल) का 'पावर पेट्रोल' और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) का 'एक्सपी95' शामिल हैं, जिनकी खुदरा कीमतों में तत्काल प्रभाव से संशोधन किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रीमियम पेट्रोल का उपयोग मुख्य रूप से वाहनों में बेहतर इंजन परफॉरमेंस और अधिक माइलेज प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जाता है।

दीदी की 10 प्रतिज्ञा से बंगाल साधने की तैयारी, महिलाओं के साथ-साथ बेरोजगार युवाओं के लिए मासिक भत्ते का ऐलान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राज्य में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का घोषणापत्र जारी किया। लगातार चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही बनर्जी ने कहा कि घोषणापत्र में उनके 10 'प्रतिज्ञाएं' शामिल हैं, जिन्हें आगामी चुनावों के बाद उनकी पार्टी के सत्ता में लौटने पर पूरा किया जाएगा। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि उनकी 10 प्रतिज्ञाएं राज्य के और विकास में सहायक होंगी। उन्होंने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार पर अपनी सरकार के खिलाफ 'षड्यंत्र' रचने का आरोप लगाते हुए हमला जारी रखा। बनर्जी ने कहा कि हम चुनावों के दौरान कई षड्यंत्र देखते हैं, लेकिन इस बार तो उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं।

पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल

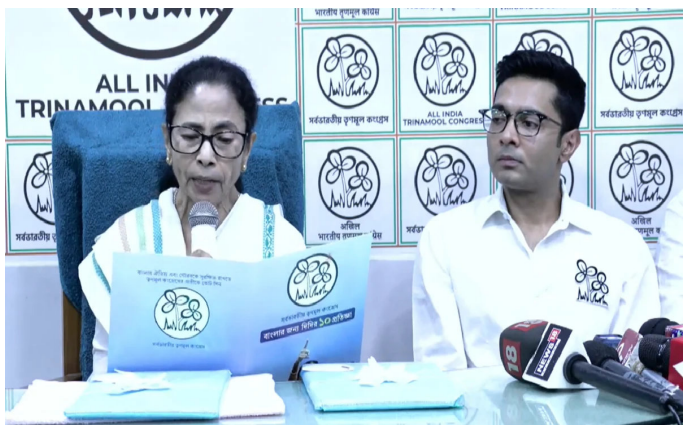

को दो चरणों में चुनाव होंगे और मतगणना 4 मई को होगी। तृणमूल कांग्रेस के घोषणापत्र का मुख्य आधार दीदी के 10 वादे हैं, जिनमें कल्याण और विकास के वादे शामिल हैं। पार्टी ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत सहायता राशि में 500 रुपये की वृद्धि करने का वादा किया है, जिससे सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए मासिक सहायता राशि 1,500 रुपये और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों के लिए 1,700 रुपये हो जाएगी। पार्टी बेरोजगार युवाओं को बांग्लार युवा-साथी योजना के तहत 1,500 रुपये का मासिक भत्ता देना जारी रखेगी और भूमिहीन किसानों सहित किसानों को सहायता देने के लिए 30,000 करोड़ रुपये का कृषि बजट पेश करेगी।

घोषणापत्र में प्रत्येक परिवार के लिए पक्के मकान और सभी घरों में पाइप से पीने का पानी पहुंचाने का वादा किया गया है, साथ ही घर-घर जाकर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए वार्षिक 'दुआरे चिकित्सा' शिविर आयोजित करने का भी प्रावधान है। घोषणापत्र में आगे यह भी वादा किया गया है कि सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया जाएगा, जबकि बंगाल को आधुनिक व्यवस्था और वैश्विक व्यापार केंद्र के साथ पूर्वी भारत के व्यापार केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

जेडीयू की कमान फिर नीतीश कुमार के हाथ, राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए कोई और दावेदार नहीं

पटना। नीतीश कुमार ने गुरुवार को 2025-28 कार्यकाल के लिए जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष पद पर अपना पद बरकरार रखने का पक्का इरादा कर लिया है। चूंकि वे पार्टी के शीर्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार हैं, इसलिए नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद कुमार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जाने की संभावना है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 22 मार्च है, लेकिन औपचारिक घोषणा 24 मार्च को होने की संभावना है।

पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा 16 मार्च को हुई, उसी दिन नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित हुए थे। दिसंबर 2023 में नीतीश कुमार के पदभार संभालने से पहले, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (लालन सिंह) पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। कुमार की ओर से जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, पार्टी के एमएलसी संजय गांधी और अन्य नेताओं ने नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पूर्व सांसद और रिटर्निंग ऑफिसर अनिल प्रसाद हेगड़े को नामांकन पत्र सौंपे।

नीतीश कुमार ने अप्रैल 2016 में वरिष्ठ नेता शरद यादव के बाद जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला था। वे 2019 में पुनः निर्वाचित हुए, लेकिन 2020 में पद से हट गए और आरसीपी सिंह को यह पदभार ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त किया। झा ने कहा कि पार्टी सदस्य नीतीश कुमार को एक बार फिर से कमान सौंपने के इच्छुक हैं और उन्होंने यह भी कहा कि वे दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में अधिक बार आएंगे।

झा को राज्यसभा का उपसभापति बनाए जाने की संभावना है, इसलिए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पद भी रिक्त हो सकता है। वर्तमान उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह का कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है और उन्हें उच्च सदन के लिए पुनः मनोनीत नहीं किया गया है।

महिला सरकारी अधिकारियों के साहित्य सम्मेलन की अध्यक्ष लीना मेहेंदले का चयन

नई दिल्ली। सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी लीना मेहेंदले को नई दिल्ली में आयोजित प्रथम अखिल भारतीय मराठी महिला सरकारी अधिकारी साहित्य सम्मेलन का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। यह जानकारी सम्मेलन की संयोजक आर. विमला तथा स्वागताध्यक्ष सुप्रिया देवस्थली ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

यह दो दिवसीय सम्मेलन 11 और 12 अप्रैल 2026 को सरहद संस्था, पुणे और नवीन महाराष्ट्र सदन द्वारा संयुक्त रूप से तथा मराठी भाषा विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन छत्रपति शिवाजी महाराज की पत्नी एवं छत्रपति राजाराम महाराज की धर्मपत्नी छत्रपति महारानी तारारानी की 351वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।

लीना मेहेंदले वर्ष 1974 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी रही हैं। उनका जन्म महाराष्ट्र के जलगांव जिले के धारणगांव में हुआ था। उन्होंने महाराष्ट्र शासन में अतिरिक्त मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन) के पद से सेवानिवृत्ति ली है। इसके अलावा वे गोवा राज्य की मुख्य सूचना आयुक्त भी रह चुकी हैं। उन्होंने राजस्व, प्रशासन, प्रशासनिक कानून का कार्यान्वयन, विकास प्रशासन तथा कार्यालयीन कार्यों में आधुनिक तकनीक के उपयोग जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों को संभाला है। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाई हैं। लीना मेहेंदले ने विभिन्न विषयों पर 500 से अधिक लेख और 24 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। उन्होंने प्रसिद्ध कवि कुसुमाग्रज की कविताओं का हिंदी में अनुवाद किया है। उनके 19 अनुवादित ग्रंथ प्रकाशित हैं। इसके अलावा उन्होंने एक मराठी नाटक और एक उपन्यास का भी अनुवाद किया है तथा अंग्रेज़ी उपन्यास 'द लास्ट पास' का मराठी में अनुवाद किया है। उन्होंने बच्चों के लिए भी पुस्तकें लिखी हैं। पक्षी अवलोकन, प्राकृतिक चिकित्सा और प्रशासनिक सुधार उनके पसंदीदा विषय हैं।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर फारूक अब्दुल्ला की बड़ी चेतावनी

बोले- पूरी दुनिया पर पड़ेगा इसका असर

श्रीनगर।जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया, शांति और लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना की और कहा कि इस संघर्ष के वैश्विक परिणाम हैं। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए जेकेएनसी प्रमुख ने कहा कि अल्लाह इस युद्ध को समाप्त करे, शांति लाए और लोगों को आराम से जीने दे... इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसलिए, युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त किया जाना चाहिए।

ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। यह संघर्ष 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ, जिसमें ईरान के 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की भी हत्या कर दी गई थी। उनकी मृत्यु के बाद, पूर्व नेता के पुत्र मोजतबा खामेनेई को इस्लामी गणराज्य का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया। खबरों के अनुसार, ईरान रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर

दबाव बना रहा है, जिसके परिणामस्वरूप तेल, गैस और समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए एक बढ़ता खतरा बना हुआ है।

आज सुबह विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में चल रही स्थिति पर चर्चा करने के लिए पांच विश्व नेताओं से बात की, संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया और ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की निंदा की। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बातचीत की। जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कल पांच विश्व नेताओं से बात की। उन्होंने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इन वार्ताओं में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने तनाव कम करने और उसके बाद शांति और स्थिरता की बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

एआईएमआईएम की चुनावी तैयारीः असदुद्दीन ओवैसी ने तेलंगाना में मतदाताओं के लिए हेल्प डेस्क शुरू किया

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तेलंगाना में आगामी विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के मद्देनज़र हैदराबाद में एक हेल्प डेस्क की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची में दर्ज जानकारी की सटीकता सुनिश्चित करना और मतदाताओं को आवश्यक सहायता प्रदान करना है।

ओवैसी ने हैदराबाद के दारुस्सलाम स्थित पार्टी मुख्यालय में इस सहायता केंद्र का उद्घाटन किया। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह केंद्र मतदाताओं को अपने विवरण की जांच, सुधार और अद्यतन करने में मदद करेगा। इससे पात्र नागरिक यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि उनका नाम मतदाता सूची में सही तरीके से दर्ज है।

इस हेल्प डेस्क पर प्रशिक्षित प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे, जो मतदाताओं को पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शन देंगे। पार्टी ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे इस सुविधा का लाभ उठाकर अपने लोकतांत्रिक अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करें।

मतदाता सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 9100043150, 9100043151 और 9100043152 जारी किए गए हैं। हेल्प डेस्क का समय सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक रहेगा।

इस बीच, तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा 17 मार्च 2026 को हैदराबाद में एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें निजामाबाद, मेडक, महबूबनगर और नालगोंडा जिलों के 42 निर्वाचन अधिकारी (ईआरओ) और 26 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में मतदाता सूची प्रबंधन, मतदाता मैपिंग और आगामी एसआईआर प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया गया, ताकि चुनावी प्रक्रिया में सटीकता और तैयारी सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी एम. सत्यवाणी, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी बी. हरिसिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

19 वर्ष से कम आयु वर्ग विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान अभिज्ञान कुंडू का महासभा में सम्मान

दिव्यांश

मुंबई। फरवरी 2026 में जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित आईसीसी अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता में भारत के उपकप्तान के रूप में जिम्मेदारी निभाने वाले भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज श्री अभिज्ञान अभिषेक कुंडू का नवी मुंबई महानगरपालिका की सामान्य सभा में महापौर श्रीमती सुजाता पाटील के शुभ हस्तों से सभागृह की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपमहापौर श्री दशरथ भगत, आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे, स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री अशोक पाटील, सभागृह नेता श्री सागर नाईक, विपक्ष के नेता श्री विजय चौगुले, खेल समिति के अध्यक्ष श्री गिरीश म्हात्रे तथा उपसभापति श्री राजू मढवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मंच पर उपस्थित थे। सभागृह नेता श्री सागर नाईक द्वारा प्रस्तुत अभिनंदन प्रस्ताव का अनुमोदन विपक्ष के नेता श्री विजय चौगुले ने किया। इस दौरान आयुक्त, उपमहापौर और महापौर ने भी अपने अभिनंदन संदेश व्यक्त किए। कोपरखैरणे निवासी अभिज्ञान अभिषेक कुंडू ने अंडर-19 भारतीय टीम के उपकप्तान और उत्कृष्ट विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में विश्व कप प्रतियोगिता में खेलते हुए कुल 4 अर्धशतक बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के विरुद्ध जीत हासिल कर अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अभिज्ञान ने पूरे टूर्नामेंट में 239 रन बनाए और टीम के तीसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।इससे पहले वर्ष 2025 में आयोजित एशिया कप प्रतियोगिता में भी उन्होंने तेज दोहरा शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था और नाबाद 209 रन बनाए थे, जिससे भारतीय टीम को फाइनल तक पहुंचाने में उनका बड़ा योगदान रहा।

भारतीय टीम में उपकप्तान के रूप में अपनी मजबूत पहचान बनाने वाले और नवी मुंबई शहर का नाम देश और दुनिया में रोशन करने वाले इस उभरते खिलाड़ी को नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से महासभा में सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर से दिया शांति का मंत्र, कहा- दुनिया को संघर्ष नहीं, सौहार्द चाहिए

दिव्यांश

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने शुक्रवार को कहा कि स्वार्थ और वर्चस्व की लालसा विश्व में संघर्षों का मूल कारण हैं, और उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। नागपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि पिछले 2000 वर्षों से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए विभिन्न विचारों पर प्रयोग किए हैं, लेकिन सफलता नगण्य रही है। उन्होंने बताया कि धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्मांतरण और श्रेष्ठता-हीनता की धारणाएं आज भी मौजूद हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख शहर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। भगवत ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा यह सिखाती है कि 'सभी आपस में जुड़े हुए और एक हैं', और उन्होंने संघर्ष से सद्भाव और सहयोग की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान भी धीरे-धीरे इसी समझ की ओर बढ़ रहा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि दुनिया में संघर्षों की जड़ स्वार्थ एवं वर्चस्व की चाह है और स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म के पालन से ही हासिल की जा सकती है।

भागवत ने आचरण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि धर्म केवल शास्त्रों तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि यह लोगों के व्यवहार में भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए निरंतर अभ्यास की जरूरत होती है और इसमें अक्सर व्यक्तिगत कठिनाई भी झेलनी पड़ती हैं। भागवत ने कहा कि भारत मानवता में विश्वास करता है जबकि अन्य देश अस्तित्व के लिए संघर्ष और ताकतवर के टिके रहने के सिद्धांत को मानते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को संघर्ष नहीं, बल्कि सौहार्द की जरूरत है।

राज्यपाल जीश्नु देव वर्मा से महापौर श्रीमती रितु तावड़े की सौजन्य भेंट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री जीश्नु देव वर्मा से मुंबई की महापौर श्रीमती रितु तावड़े ने लोक भवन में सौजन्य भेंट की।

पदभार ग्रहण करने के बाद, मुंबई की प्रथम नागरिक के रूप में महापौर द्वारा वॉकेश्वर स्थित आधिकारिक निवास लोक भवन में माननीय राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट करना एक परंपरा है। इसी परंपरा के अनुसार, नव नियुक्त माननीय राज्यपाल से महापौर श्रीमती रितु तावड़े ने यह भेंट की।

इस अवसर पर महापौर ने माननीय राज्यपाल श्री जीश्नु देव वर्मा को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं सम्मान स्वरूप भेंट देकर उनका अभिनंदन किया। माननीय राज्यपाल ने भी श्रीमती तावड़े को महापौर पद पर निर्वाचित होने पर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल के व्यापक प्रशासनिक अनुभव को ध्यान में रखते हुए, महापौर ने अनुरोध किया कि आगामी बैठक में प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलने का समय प्रदान करें, ताकि बृहन्मुंबई महानगरपालिका के नव नियुक्त पदाधिकारी उनके मार्गदर्शन से लाभान्वित हो सकें। राज्यपाल श्री जीश्नु देव वर्मा ने भी मुंबई के समग्र विकास के लिए महानगरपालिका के प्रयासों को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

15 कोच वाली रेक को समायोजित करने के लिए टिटवाला और वाशिंद स्टेशनों के बीच विशेष यातायात एवं पॉवर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 21/22.03.2026, 22/23.03.2026, 23/24.03.2026 और दिनांक 24/25.03.2026 को टिटवाला और वाशिंद स्टेशनों के बीच विशेष यातायात एवं पॉवर ब्लॉक परिचालित करेगा ।

यह ब्लॉक 15 कोच वाली रेक को समायोजित करने के लिए विस्तार कार्य के तहत टिटवाला और खडवली स्टेशनों पर नए पॉइंट्स पर अतिक्रमण हटाने और ओएचई के संचालन के लिए परिचालित किया जाएगा ।

ब्लॉक की तिथिः दिनांक 21/22.03.2026 (शनिवार/रविवार रात), दिनांक 22/23.03.2026 (रविवार/सोमवार रात), 23/24.03.2026 (सोमवार/मंगलवार रात) और दिनांक 24/25.03.2026 (मंगलवार/बुधवार रात)

ब्लॉक की अवधिः चारों दिन 02:10 बजे से 03:25 बजे तक

ब्लॉक सेक्शनः अप और डाउन लाइनों पर टिटवाला (सहित) से वाशिंद (छोड़ कर) तक।

ब्लॉक के कारण होने वाले प्रभाव इस प्रकार होंगेः

ब्लॉक के कारण ट्रेनों का रेगुलेशनः

15181 मऊ-एलटीटी एक्सप्रेस और 12102 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस को वाशिंद में 02:27 बजे से 3:25 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।

18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस को असंगांव में 02:37 बजे से 03:25 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।

12132 साईनगर शिर्डी -दादर एक्सप्रेस को खर्डी में 02:40 बजे से 03:20 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।

20104 भटनी-एलटीटी एक्सप्रेस को कसारा में 02:45 बजे से 03:20 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा

11002 बल्लारशाह-सीएसएमटी एक्सप्रेस को 03:23 बजे से 03:26 बजे तक कसारा में रेगुलेट किया जाएगा।

12174 प्रतापगढ़-एलटीटी एक्सप्रेस, 12545 रक्सौल-एलटीटी एक्सप्रेस, 12152 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस, 12361 आसनसन-सीएसएमटी एक्सप्रेस, 15547 रक्सौल-एलटीटी एक्सप्रेस और 15267 रक्सौल-एलटीटी एक्सप्रेस में 10 से 15 मिनट की देरी हो सकती है।

बाद में घोषित की गई विलंबित मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों को भी परिचालन सुविधा के अनुसार रेगुलेट/शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।

ये ब्लॉक बुनियादी ढांचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से असुविधा के लिए खेद है।

पश्चिम रेलवे के वसई रोड एवं विरार स्टेशनों के बीच ब्लॉक तथा प्रभादेवी स्टेशन पर मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा परिचालन कार्यों को सुचारु रूप से सम्पन्न करने के लिए वसई रोड एवं विरार के बीच अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर जंबो ब्लॉक तथा प्रभादेवी स्टेशन पर प्रभादेवी रोड ओवर ब्रिज के गर्डर को हटाने हेतु सभी लाइनों पर 21/22 मार्च, 2026 (शनिवार/रविवार) की मध्यरात्रि में मेजर ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वसई रोड एवं विरार के बीच 00:15 बजे से 04:15 बजे तक ब्लॉक लिया जाएगा, जबकि प्रभादेवी स्टेशन पर रोड ओवर ब्रिज के गर्डर को हटाने हेतु 01:30 बजे से 06:00 बजे तक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। वसई रोड-विरार के ब्लॉक के दौरान धीमी लाइन की सभी ट्रेनें विरार/वसई रोड एवं बोरीवली के बीच फास्ट लाइन पर चलेंगी। प्रभादेवी के ब्लॉक के दौरान कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी, कुछ को दादर एवं बांद्रा से शॉर्ट टर्मिनेट तथा रिवर्स किया जाएगा। साथ ही, ब्लॉक अवधि के दौरान चर्चगेट एवं प्रभादेवी के बीच तथा माटुंगा रोड एवं माहिम स्टेशनों पर कोई भी उपनगरीय ट्रेन सेवा नहीं चलेगी।

इन ब्लॉकों के कारण कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को सूरत एवं विरार के बीच रेगुलेट किया जाएगा अथवा रिशेड्युल किया जाएगा, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

1. 20 मार्च, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09184 वाराणसी जं.-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल को 2 घंटा रेगुलेट किया जाएगा।
2. 21 मार्च, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22946 ओखा-मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र मेल को 1 घंटा 45 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।
3. 21 मार्च, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12928 एकता नगर-दादर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 1 घंटा रेगुलेट किया जाएगा।
4. 21 मार्च, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12902 अहमदाबाद-दादर गुजरात मेल को 1 घंटा रेगुलेट किया जाएगा।
5. 21 मार्च, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09052 भुसावल-दादर स्पेशल को 45 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

22 मार्च, 2026 को मुंबई सेंट्रल से 05:40 बजे यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस, मुंबई सेंट्रल से 06:10 बजे प्रस्थान करेगी, अर्थात इस ट्रेन को 30 मिनट रिशेड्युल किया जाएगा।

रविवार, 22 मार्च, 2026 को पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं भिवानी के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त यात्री भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं भिवानी स्टेशनों के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल-भिवानी द्वि-साप्ताहिक विशेष को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी-मुंबई सेंट्रल द्वि-साप्ताहिक विशेष को 01 अगस्त, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09001 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 22.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
इंजीनियरिंग कार्य

मण्डल रेल प्रबंधक (कार्य), सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदायें आमंत्रित करते हैं, **निविदा क्र. 09-2026-SrDENS, कार्य का नामः 1.** एडीईएन/कलाबुर्गी (KLBG) उपखंड के अंतर्गत KLBG-KUI सेक्शन में रेलवे कॉलोनियों में पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) का प्रावधान। **2.** एडीईएन/कलाबुर्गी (KLBG) उपखंड के अंतर्गत वाड़ी–एमआर (Wadi-MR) सेक्शन में रेलवे कॉलोनियों में पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) का प्रावधान। **अनुमानित लागतः** 8,33,87,381.41, **बयाना रकमः** 5,66,900/-, **समापन की अवधिः** 12 माह, **अनुरक्षण की अवधिः** 24 माह, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर अपलोड करने की अंतिम दिनांक और समयः** 10.04.2026 को 15:00 बजे तक, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर खुलने की दिनांक और समयः** 10.04.2026 को 15:30 बजे। निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि कोई बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय– समय पर भेंट दें।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेलवे, सोलापुर
DE/Sur-15

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
सिग्नलिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी.आर.एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है। **निविदा संख्याः** सोला–एन–टी–2025–26–44, **कार्य का नामः** सोलापुर मंडल के ताजसुल्तानपुर और धाराशिव स्टेशनों पर माल गोदामों के विकास से संबंधित विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्य करना। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 79,64,927.18, **टेंडर फॉर्म की कीमतः** निल, **जमा की जाने वाली धरोहर राशिः** रु. 1,59,300/–, **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 12 महीने, **निविदा के समापन की तिथि और समयः** 10.04.2026 को 15:30 बजे के बाद। विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई–मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी के रूप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात् बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, मध्य रेलवे, सोलापुर
DE/Sur-12

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

अजित पवार के घर के पास किया गया काला जादू?: रोहित पवार का बड़ा दावा, एनसीपी-एसपी नेता ने जांच की मांग की

मुंबई। रांकपा शरद पवार पार्टी के नेता रोहित पवार ने शुक्रवार को पिछले साल महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आवास के पास कथित तौर पर हुई काला जादू की घटनाओं की गहन जांच की मांग की और इन कृत्यों को अंजाम देने वाले व्यक्तियों की पहचान करने की मांग की। बता दें कि, महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम और एनसीपी सुप्रीमो रहे अजित पवार का निधन बारामती में 28 जनवरी को एक विमान हादसे में हुआ था। इसके बाद से रोहित पवार कई मौकों पर इस दुर्घटना की जांच की मांग कर चुके हैं।

पुणे और मुंबई आवास के बाहर किया गया काला जादू

रोहित पवार ने कहा कि पुणे जिले के भिगवण रोड स्थित 'सहयोग सोसायटी' और मुंबई के 'देवगिरी बंगले' के पास पिछले साल कुछ संदिग्ध धार्मिक या तांत्रिक गतिविधियां हुई थीं। इन गतिविधियों में नासिक के एक कथित

ज्योतिषी का नाम सामने आ रहा है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में अंधविश्वास और ऐसे धोखाधड़ी वाले कामों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, इसलिए इस पूरे मामले की गहराई से जांच जरूरी है। रोहित पवार ने यह भी मांग की कि यह पता लगाया जाए कि इन कथित काले जादू की गतिविधियों के पीछे कौन लोग थे, किसने इन्हें करवाया और क्या इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद था। उन्होंने प्रशासन से पूरी घटनाक्रम की जांच करने और दोषियों की पहचान करने की अपील की है।

एनसीपी नेता अमोल मितकारी ने क्या दिया था बयान

इस मामले की शुरुआत एनसीपी नेता अमोल मितकारी के बयान से हुई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया था कि नवंबर 2025 में पुणे जिले में कुछ तांत्रिक अनुष्ठान किए गए थे, जिनका संबंध 'शिवलिका आश्रम' से बताया जा रहा है। यह आश्रम स्वयंभू ज्योतिषी अशोक कुमार खारत चलाता है, जिसे मितकारी ने फर्जी बाबा बताया। मितकारी ने यह भी सवाल उठाया कि 27 जनवरी को सड़क से पुणे जाने का कार्यक्रम तय होने के बावजूद, अगले ही दिन 28 जनवरी को अजित पवार ने विमान से यात्रा क्यों की। उन्होंने पूछा कि यह फैसला किसकी सलाह पर लिया गया था और क्या उनके किसी करीबी का संबंध उस ज्योतिषी से था।

ज्योतिषी अशोक खारत दुष्कर्म मामले में पुलिस हिरासत में

उधर, जिस ज्योतिषी अशोक कुमार खारत का नाम इस मामले में सामने आ रहा है, उसे नासिक पुलिस ने हाल ही में एक महिला के साथ तीन साल तक दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

नोटिस

DSP MUTUAL FUND

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि आगामी इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम ('आईएपी') का आयोजन डीएसपी म्यूच्युअल फ़ंड द्वारा किया जाएगा. आईएपी का विवरण निम्नअनुसार है :

दिन व दिनांक	पता	समय
Saturday, 21st March 2026	Prasad Food Divine, 2nd Floor, Gurudev Vanijya Sankul, Khadakpada Road, Kalyan West, Thane, Mumbai - Maharashtra	11:30 AM

सभी आईएपीज़ के बारे में ताजा जानकारी के लिए dspim.com/IAP पर विजिट करें तथा अन्य सभी प्रकटीकरणों के लिए dspim.com/IEID पर विजिट करें. डीएसपी म्यूच्युअल फ़ंड द्वारा निवेशकों की जानकारी तथा जागरुकता हेतु एक पहल. **म्यूच्युअल फ़ंड में निवेशों के साथ मार्केट के जोखिम होते हैं ,स्कीम से संबंधित सभी कागजातों को ध्यानपूर्वक पढ़ें.**

चवदार तालाब सत्याग्रह से समानता का संदेश- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

शताब्दी वर्ष में समतामूलक भारत का संकल्प

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रायगढ़। महाड में ऐतिहासिक चवदार तालाब सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने समानता, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों को दोहराते हुए भेदभावमुक्त समाज के निर्माण का संकल्प व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नेतृत्व में हुआ यह सत्याग्रह केवल पानी के अधिकार के लिए नहीं था, बल्कि मानव सम्मान की लड़ाई था।

महाड (रायगढ़) में सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग द्वारा इस शताब्दी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। चवदार तालाब के जल शुद्धिकरण और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के लिए 55 करोड़ 80 लाख रुपये की निधि स्वीकृत की गई है, तथा इन कार्यों का भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री के हाथों किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले, महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे, उद्योग एवं मराठी भाषा मंत्री डॉ. उदय सामंत, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, रोजगार गारंटी योजना, बागवानी एवं खारभूमि विकास मंत्री भरत गोगावले, महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष अन्ना बनसोडे, रायगढ़ जिला परिषद अध्यक्ष मंगेश वाकडिकर, सांसद सुनील तटकरे, सांसद धैर्यशील पाटिल, विधायक प्रवीण दरेकर, महाड के महापौर सुनील काविस्कर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस दौरान चवदार तालाब परिसर में स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने संबोधन की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1923 में सार्वजनिक जल स्रोतों को सभी के लिए खोलने का कानून बनने के बावजूद समाज के कुछ वर्गों ने इसे लागू नहीं होने दिया। इस अन्याय के विरुद्ध डॉ. आंबेडकर द्वारा किया गया चवदार तालाब सत्याग्रह सामाजिक समानता का एक क्रांतिकारी आंदोलन बना। यह संघर्ष केवल पानी के लिए नहीं, बल्कि असमानता और छुआछूत के विरुद्ध मानवता की लड़ाई था।

उन्होंने कहा कि इस सत्याग्रह ने देश में सभी के लिए सार्वजनिक जल स्रोतों को खोलने का मार्ग प्रशस्त किया और समानता की नींव रखी। साथ ही उन्होंने इस इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

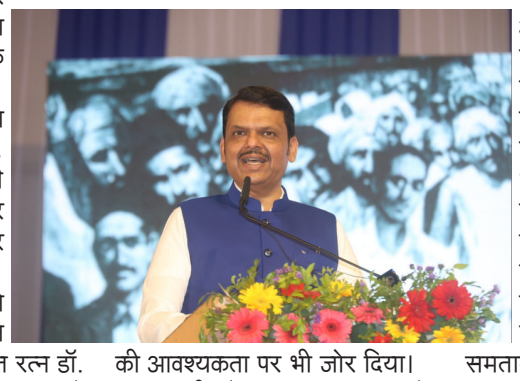

मुख्यमंत्री ने चवदार तालाब के सौंदर्यीकरण कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्थान को स्वच्छ, पवित्र और प्रेरणादायक रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने सामाजिक न्याय के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी।

उन्होंने अनुसूचित जाति अत्याचार पीड़ित परिवारों के 98 सदस्यों को सरकारी सेवा में नियुक्ति, पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी को दिए गए निधि, चैत्यभूमि स्मारक के कार्यों तथा लंदन और जापान में बाबासाहेब की स्मृतियों को संरक्षित करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

इसके अलावा उन्होंने बताया कि बोधगया में महाराष्ट्र भवन का निर्माण किया जाएगा तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में बाबासाहेब के नाम पर एक अध्यासन स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'भारतीय संविधान ने सभी को समान अधिकार दिए हैं। इसी संविधान के कारण भारत प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। इसलिए सभी को असमानता और छुआछूत को समाप्त कर समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए।'

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने महाड में चवदार तालाब सत्याग्रह की शताब्दी के अवसर पर भव्य 'भीमसृष्टि' स्मारक बनाने का प्रस्ताव रखा और इस ऐतिहासिक स्थल को विश्वस्तरीय बनाने पर जोर दिया।

मंत्री भरत गोगावले ने बताया कि चवदार तालाब के विकास के लिए 55.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और इस परियोजना को समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने रायगढ़ में 'शिव सृष्टि' और महाड में 'भीम सृष्टि' स्थापित कर इन ऐतिहासिक स्थलों के समग्र विकास की बात कही।

सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने अपने प्रस्तावना भाषण में कहा कि महाड के ऐतिहासिक चवदार तालाब के विकास के लिए लगभग 55 करोड़ 80 लाख रुपये की निधि स्वीकृत की गई है और इसे व्यापक रूप से विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिक्षा, छात्रावास और सामाजिक न्याय योजनाओं के माध्यम से बहुजन समाज के सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग की देश में पहली पहल

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मृत व्यक्तियों के परिवारों के 98 उत्तराधिकारियों को सरकारी सेवा में नियुक्त किया गया। इनमें छाया अश्विन कांबले, पूनम दिनेश जाधव, सारिका बलभीम बनसोडे, अनुष्का सुरेंद्र कुमार, पूजा नितिन मास्के, धीरज प्रकाश पवार सहित अन्य लाभार्थियों को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

बाजार समितियों के आधुनिकीकरण और 'मैग्नेट' परियोजना को एडीबी का समर्थन

विपणन मंत्री जयकुमार रावल का मनीला दौरा सफल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के कृषि विपणन तंत्र के आधुनिकीकरण को गति देने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का सहयोग प्राप्त करने के संदर्भ में विपणन मंत्री जयकुमार रावल का मनीला दौरा महत्वपूर्ण साबित हुआ। एशियाई विकास बैंक मुख्यालय में आयोजित 'एशिया एंड पैसिफिक फूड सिस्टम्स फोरम 2026' में भाग लेते हुए मंत्री जयकुमार रावल ने महाराष्ट्र एग्रीबिजनेस नेटवर्क (मैग्नेट) परियोजना, मुंबई अंतरराष्ट्रीय कृषि बाजार (एमआईएएम) तथा राज्य की कृषि उपज बाजार समितियों (एपीएमसी) को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल के महाप्रबंधक एवं मैग्नेट परियोजना के निदेशक विनायक कोकारे उपस्थित थे।

इस दौरे के दौरान मंत्री जयकुमार रावल ने एशियाई विकास बैंक के उपाध्यक्ष (दक्षिण, मध्य एवं पश्चिम एशिया क्षेत्र) यिंगमिंग यांग से मुलाकात की और महाराष्ट्र में 'मैग्नेट' परियोजना, मुंबई अंतरराष्ट्रीय कृषि बाजार (एमआईएएम) तथा कृषि उपज बाजार समितियों (एपीएमसी) के आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान कृषि मूल्य श्रृंखला को अधिक मजबूत, समावेशी और टिकाऊ बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

मंत्री जयकुमार रावल ने एशियाई विकास बैंक के महानिदेशक विनफ्रेड विकलेन तथा वरिष्ठ क्षेत्र निदेशक किंगफेंग झांग के साथ भी महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में महाराष्ट्र में कृषि अवसंरचना, फसलोत्तर प्रबंधन तथा कृषि लॉजिस्टिक्स में सुधार के लिए एडीबी के सहयोग को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने बताया कि इस दौरे से यह स्पष्ट हुआ है कि राज्य के कृषि बाजार तंत्र को आधुनिक, कुशल और टिकाऊ बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

मुंबई शहर जिला युवा पुरस्कार हेतु प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई शहर जिले में सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत युवाओं एवं संस्थाओं के लिए जिला युवा पुरस्कार हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। इच्छुक आवेदक 8 अप्रैल 2026 तक अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करें, ऐसा आह्वान मुंबई शहर की जिला क्रीड़ा अधिकारी नीलिमा आडसुल ने किया है।

राज्य युवा नीति के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की भूमिका, उनका योगदान तथा सामाजिक विकास में उनकी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए यह पुरस्कार राज्य एवं जिला स्तर पर प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, आदिवासी क्षेत्र, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कृति, कला, खेल, मनोरंजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, व्यवसाय, महिला सशक्तिकरण, श्रम प्रतिष्ठा, नशामुक्ति आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवा एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाता है।

मुंबई शहर क्षेत्र के संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं से पूर्व में प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। इसके अनुसार वर्ष 2019-20 (1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2020), 2020-21 (1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2021), 2021-22 (1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2022), 2022-23 (1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2023), 2023-24 (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2024) तथा 2024-25 (1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2022) के लिए जिला युवा पुरस्कार हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। हालांकि, सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत युवाओं एवं संस्थाओं के कुछ प्रस्ताव अभी भी लंबित हैं।

इसी कारण नए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 15 दिनों की अतिरिक्त अवधि प्रदान की गई है। अतः इच्छुक आवेदक अपने आवेदन कार्यालयीन समय में व्यक्तिगत रूप से राजीव गांधी जिला क्रीड़ा संकुल, द्वितीय तल, जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, मुंबई शहर, धारावी में 8 अप्रैल तक जमा करें, ऐसा जिला क्रीड़ा अधिकारी नीलिमा आडसुल ने अपील की है।

महाराष्ट्र सदन में हस्तकरघा विरासत पर आधारित फैशन शो का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की समृद्ध हस्तकरघा परंपरा और भारत की कलात्मक विविधता को एक साथ प्रस्तुत करने वाला विशेष फैशन शो 21 मार्च को शाम 6:30 बजे महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

यह आयोजन महाराष्ट्र सदन में चल रहे चार दिवसीय हैंडलूम साड़ी प्रदर्शनी के अंतर्गत किया जा रहा है। इस फैशन शो का आयोजन विकास आयुक्त (हैंडलूम) तथा महाराष्ट्र सदन के सहयोग से 'शिखाज कारीगरी' के साथ मिलकर किया गया है।

इस फैशन शो में तीन मुख्य प्रस्तुतियाँ होंगी। सबसे पहले 'ट्राइबल टू मॉडर्न आर्ट - एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत पिचवाई, पटचित्र, वारली और गोंड जैसी भारतीय कला शैलियों से प्रेरित हस्त-चित्रित हैंडलूम साड़ियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 'प्राइड ऑफ महाराष्ट्र' के तहत अधिकारियों की पत्नियाँ और महिला अधिकारी रैंप पर महाराष्ट्र की सांस्कृतिक गौरव को प्रस्तुत करेंगी। तीसरे चरण 'फ्रॉम द वीवर्स ऑफ महाराष्ट्र' में पैठणी, हिमरू, खान और नारायणपेठी जैसी महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों की साड़ियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में प्रदर्शनी में भाग ले रहे बुनकरों को रैंप पर आमंत्रित कर उनकी कला और कौशल का सम्मान किया जाएगा। यह 'शिखा'स कारीगरी' ब्रांड की हस्त-चित्रित साड़ियों का विशेष प्रदर्शन है, जिसकी परिकल्पना प्रसिद्ध कलाकार शिखा अजमेरा द्वारा की गई है तथा इसका निर्देशन प्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर संदीप नवलखा द्वारा किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बुनकरों, कारीगरों और पारंपरिक वस्त्र संस्कृति को बढ़ावा देना है तथा महाराष्ट्र की परंपरा और भारत की विविधता को आधुनिक रूप में प्रस्तुत करना है।

निवासी आयुक्त आर. विमला ने दिल्ली में रहने वाले साड़ी प्रेमियों और महाराष्ट्र प्रेमियों से इस अनूठे फैशन शो में शामिल होने की अपील की है।

पर्यावरण संतुलन के लिए सामाजिक वानिकी आज की आवश्यकता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

21 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व वन दिवस मानव और प्रकृति के बीच मजबूत संबंध को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण, संरक्षण और उनका संवर्धन अब केवल आवश्यकता ही नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए सामाजिक वानिकी विभाग द्वारा निजी एवं सामूहिक भूमि पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कर वन क्षेत्र बढ़ाने, जैव विविधता को संरक्षित और संवर्धित करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

राज्य में वन क्षेत्र की स्थिति

राष्ट्रीय वन नीति 1988 के अनुसार, कुल भौगोलिक क्षेत्र का 33 प्रतिशत भाग वृक्षों से आच्छादित होना चाहिए, तभी पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना संभव है। महाराष्ट्र के 307 लाख हेक्टेयर भौगोलिक क्षेत्र में से 61.35 लाख हेक्टेयर क्षेत्र वृक्षों से आच्छादित है, जो लगभग 20 प्रतिशत है।

वैश्विक तापमान वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, अत्यधिक बारिश, सूखा, बादल फटना, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ पर्यावरण संतुलन और पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार प्रभावित कर रही हैं। बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय असंतुलन का सीधा असर मानव जीवन पर पड़ रहा है। ऐसे में वन विभाग और वन्यजीव विभाग वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जैव विविधता के लिए सामाजिक वानिकी

सामाजिक वानिकी विभाग निजी एवं सामूहिक भूमि पर वृक्षारोपण कर वृक्ष आच्छादन बढ़ाने का कार्य निरंतर कर रहा है। स्थानीय, दुर्लभ और औषधीय प्रजातियों के पौधे क्षेत्र की मिट्टी, जलवायु और वर्षा के अनुसार लगाए जाते हैं। साथ ही व्यावसायिक उत्पादन बढ़ाने के लिए आवश्यक वृक्षारोपण कौशल भी विकसित किए जा रहे हैं, जिससे जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन संभव हो रहा है।

कोल्हापुर में पौधारोपण पर विशेष ध्यान

कोल्हापुर सामाजिक वानिकी विभाग के अंतर्गत 2025 के मानसून में 10 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से 49 हेक्टेयर गैर-वन क्षेत्र में 54,439 पौधे लगाए गए। इन पौधों का उचित संरक्षण और देखभाल की जा रही है, जिससे उनकी जीवित रहने की दर 90 प्रतिशत से अधिक है।

लाखों पौधों का उत्पादन

वर्ष 2026 के मानसून के लिए कोल्हापुर सामाजिक वानिकी विभाग द्वारा बड़े पैमाने पर पौधों का उत्पादन किया जा रहा है। वन महोत्सव के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विभिन्न संस्थाओं को पौधे उपलब्ध कराने हेतु लगभग 9.43 लाख पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इनमें 8.35 लाख छोटे आकार के बैग में तथा 1.08 लाख बड़े आकार के बैग में पौधे शामिल हैं। नर्सरियों में आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उत्कृष्ट गुणवत्ता के पौधे तैयार किए जा रहे हैं।

'अन्नपूर्णा फूड एंड प्रोडक्ट्स' की 'उमेद' के साथ प्रेरणादायी उड़ान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यदि किसी व्यक्ति की क्षमताओं को सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहयोग और अवसर मिल जाए, तो वह अपनी सफलता की यात्रा में नया मुकाम स्थापित कर दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण ग्रामीण विकास विभाग की ग्रामीण आजीविका पहल के अंतर्गत उभर रहे स्व-निर्मित उद्यमी हैं, जिन्होंने बिना किसी औद्योगिक या व्यावसायिक पृष्ठभूमि के लाखों का कारोबार खड़ा किया है।

नांदेड़ जिले के भोकर तालुका के रेनापुर की रहने वाली, दसवीं कक्षा तक शिक्षित सुनीता अशोक कवले की सफलता की कहानी प्रेरणादायक और सराहनीय है। वे 'अन्नपूर्णा फूड एंड प्रोडक्ट्स' की प्रमुख हैं और मीराबाई स्वयं सहायता समूह, संविधान महिला ग्राम समूह तथा सिद्धिविनायक प्रभाग संघ, पालज से जुड़ी हुई हैं।

सुनीता कवले अपने 'अन्नपूर्णा फूड एंड प्रोडक्ट्स' के तहत आंवले से बने 11 प्रकार के उत्पाद तैयार करती हैं। उन्होंने मात्र 500 रुपये की पूंजी से अपने व्यवसाय की शुरुआत की और आज उनका कारोबार लगभग 9 लाख रुपये तक पहुंच चुका है। कठिन परिस्थितियों में आत्मनिर्भर बनने की चाह लेकर उन्होंने आंवले जैसे स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों से व्यवसाय शुरू किया, लेकिन शुरुआत में न तो आर्थिक सहयोग था और न ही घर से प्रोत्साहन। आसपास की महिलाओं ने भी उनके प्रयासों को गंभीरता से नहीं लिया और असफलता की आशंका जताई। फिर भी अपनी बेटियों के समर्थन से उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और लगातार आगे बढ़ती रहीं।

वर्ष 2017 में उन्होंने आंवले से छोटे स्तर पर उत्पादन शुरू किया। वे आंवला कैंडी, मुरब्बा, पाउडर, अचार जैसे उत्पाद खुद तैयार करने लगीं। कच्चा माल लाने के लिए उन्हें 50-60 किलोमीटर तक जाना पड़ता था। आंवला लाने से लेकर उसे सुखाने, उत्पाद बनाने और बाजार में बेचने तक का पूरा काम उन्होंने स्वयं किया। इस दौरान उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ अपना प्रयास जारी रखा।

वर्ष 2019 में वे 'उमेद' (एमएसआरएलएम) अभियान से जुड़ीं, जहां उन्हें ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन का प्रशिक्षण मिला। इस प्रशिक्षण ने उनके व्यवसाय को पेशेवर दिशा दी और आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया।

प्रदर्शनी में शानदार बिक्री

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित महालक्ष्मी सरस प्रदर्शनी में सुनीता को अभूतपूर्व सफलता मिली। इस प्रदर्शनी में उनके उत्पादों को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिसाद मिला और उन्होंने सीधे 12 लाख रुपये की बिक्री की। एक छोटे गांव से शुरू हुए इस व्यवसाय के लिए यह बड़ी उपलब्धि थी, जिसने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया और नए अवसरों के द्वार खोले।

अब सुनीता अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रयासरत हैं और उन्हें सरकारी योजनाओं के माध्यम से अच्छा सहयोग मिल रहा है। वे प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत आर्थिक सहायता, सब्सिडी, मशीनरी और पैकेजिंग यूनिट प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। उनका विश्वास है कि 'अन्नपूर्णा' ब्रांड भविष्य में पूरे भारत में अपनी पहचान बनाएगा।

सुनीता का मानना है कि जिस तरह उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला, उसी तरह अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। इसलिए वे विशेष रूप से विधवा, परित्यक्ता और जरूरतमंद महिलाओं को मार्गदर्शन देती हैं और उन्हें रोजगार से जोड़ती हैं। 'एक महिला तभी सशक्त होती है जब वह दूसरों को सहारा दे सके' – इस विचार के साथ 'अन्नपूर्णा' केवल एक खाद्य ब्रांड नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता देने वाला मंच बन चुका है।

कठिन परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और कम शिक्षा के बावजूद सुनीता की यह यात्रा उनके दृढ़ निश्चय और मेहनत का प्रमाण है, जो निश्चित रूप से सफलता की राह पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

लोनावला में सूर्योदय देखने गए आईआईटी-बॉम्बे के 3 छात्रों की दर्दनाक मौत, एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

मुंबई।मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में आईआईटी-बॉम्बे के तीन छात्रों की मौत हो गई। ये छात्र लोनावला में सूर्योदय देखने गए थे, लेकिन वापसी के दौरान उनकी यात्रा त्रासदी में बदल गई।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 8:35 बजे भाटन सुरंग के पास उनकी कार एक कंटेनर ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भयानक था कि कार कई बार पलट गई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर लोहे के ढेर में बदल गई। हाईवे ट्रैफिक पुलिस ने कटर की मदद से छात्रों को कार से बाहर निकाला और तुरंत कामोठे स्थित एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि छात्र फॉक्सवैगन पोलो कार में सफर कर रहे थे और एक्सप्रेसवे पर कंटेनर ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश के दौरान उनकी कार ट्रक के पीछे से टकरा गई। इस दुर्घटना की सूचना सबसे पहले एक बस चालक ने दी। ये तीनों छात्र छह छात्रों के समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में फिल्म देखने के बाद लोनावला जाने का फैसला किया था। हादसा मुंबई लौटते समय भाटन सुरंग से लगभग 1.5 किलोमीटर आगे हुआ।

इस मामले में एक अन्य छात्र हितेश कुमार मीना की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है ताकि दुर्घटना में शामिल कंटेनर ट्रक की पहचान की जा सके। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हादसे में तेज रफ्तार या चालक की थकान की कोई भूमिका थी या नहीं।

उत्तराखंड के बाद महाराष्ट्र में भी यूसीसी कानून लाने की तैयारी, राज्य सरकार हितधारकों से कर रही परामर्श

मुंबई। उत्तराखंड के बाद गुजरात में हाल ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून के विधेयक पेश हुआ। गोवा में भी कुछ इस तरह का कानून पहले से ही है। इस कड़ी में अब महाराष्ट्र का नाम भी जुड़ गया है। अब महाराष्ट्र में भी यूसीसी जैसे कानून की मांग उठ रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने कहा है कि वह समान नागरिक संहिता के संबंध में हितधारकों के साथ परामर्श कर रही है। यह कदम भाजपा के एक एमएलसी की और से राज्य विधानसभा में उत्तराखंड के समान एक कानून की मांग के बाद उठाया गया है। यह कानून सभी धर्मों के नागरिकों के लिए समान कानूनों को बढ़ावा देता है।

परिणय फुके ने क्या कहा?

भाजपा के परिणय फुके ने बुधवार को विधान परिषद में यह मुद्दा उठाया। संयोग से उसी दिन गुजरात में भाजपा सरकार ने भी राज्य में यूसीसी लाने के लिए एक विधेयक पेश किया।

हालांकि, परिषद को सूचित किया गया कि सरकार को फुके के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी, क्योंकि वह विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श कर रही है। परिषद की उपाध्यक्ष नीलम गोरहे ने कहा, 'हमें मंत्री जी से एक पत्र मिला है जिसमें कहा गया है कि यह मुद्दा कई विभागों से संबंधित है। चूंकि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभागों को एक महीने के भीतर लिखित जवाब देना चाहिए। यदि आपको जवाब नहीं मिलता है, तो अध्यक्ष या हमें (अध्यक्ष को) सूचित करें, और हम एक बैठक आयोजित करेंगे।'

महाराष्ट्र को भी इसी तरह के कानून की जरूरत

उन्होंने आगे कहा कि इस मुद्दे पर कानून और न्यायपालिका, महिला एवं बाल विकास और सामान्य प्रशासन विभागों से परामर्श की आवश्यकता है। एक व्यापक समाधान की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण कानून है। सरकार इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देना चाहती है, इसीलिए इसे कई विभागों को भेजा गया है।' फुके ने कहा कि संविधान में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि एक समान नागरिक संहिता के लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विवाह, तलाक और गोद लेने के लिए अलग-अलग कानून हैं। उन्होंने सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून की मांग की।एमएलसी ने कहा कि उत्तराखंड में इस संबंध में कानून है और महाराष्ट्र को भी इसी तरह के कानून की जरूरत है।

सम्पादकीय

सिस्टम का 'शॉर्ट सर्किट': खराब उपकरण और संकरी गलियां बनीं 9 लोगों की मौत का कारण

दिल्ली में अनियोजित विकास की आपाधापी में जिस तरह से नियमों को धता बताया जाता रहा है, उसका नतीजा बार-बार किसी हृदयविदारक हादसे के रूप में सामने आता है। राजधानी के पालम इलाके की एक रिहाइशी इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। कुछ लोग बच गए, लेकिन बुरी तरह झुलसे हैं।

बताया जा रहा है कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। उस इमारत में भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानें थीं, जिससे आग मिनटों में फैली। घर की बनावट ऐसी थी कि फंसे लोगों को बचाने की कोशिश नाकाम रही। साथ ही, मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों के खराब उपकरणों के कारण बचाव कार्य में देरी हुई।

अगर विभाग की हाइड्रोलिक प्रणाली समय पर काम करती, तो कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस अग्निकांड से कई पुराने सवाल उठ रहे हैं, जिन पर अक्सर चर्चा होती है और नतीजा सिफर रहता है। इस हादसे में सुरक्षा नियमों की अनदेखी और विफलता के सवाल अहम हैं। दिल्ली में ऐसी कई इमारतें हैं, जो मिश्रित आवासीय-व्यावसायिक हैं। अवैध कालोनियों में नियमों के अनुपालन की उम्मीद करना बेमानी है।

राजधानी में अधिकांश जगहों की यही तस्वीर है। ऐसी जगहों पर किसी भी तरह का हादसा होने पर बचाव कार्य में प्रायः दिक्कत होती है। संकरी गलियों के कारण आग लगने पर दमकल गाड़ियां पहुंचने में समय लेती हैं। अनियोजित बस्तियों में आपातकालीन सेवाओं के प्रभावी ढंग से काम करने की अक्षमता कई बार उजागर हुई है। पालम में भी यह स्थिति दिखी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस तरह के इलाकों में आग लगने की घटनाओं की कई बार भयावह तस्वीरें सामने आई हैं। दो साल पहले विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से आठ शिशुओं की मौत हो गई थी। ऐसी सैकड़ों घटनाएं दर्ज की गई हैं। अक्सर, इमारतों में अग्नि सुरक्षा संबंधी इंतजाम नहीं होते। विद्युत प्रणालियां दोषपूर्ण होती हैं या भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन होता है। ऐसे हादसों में अक्सर प्रशासनिक उदासीनता, नगर निकायों में भ्रष्टाचार और विकासकर्ताओं तथा अधिकारियों के बीच सांठगांठ के तथ्य सामने आते हैं। सवाल उठता है कि आगे का रास्ता क्या हो? अधिकारियों को चाहिए कि वे आपदाओं के बाद नोटिस जारी करने से आगे बढ़कर सभी क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

दिल्ली में जनसंख्या घनत्व को देखते हुए, संकरी गलियों में अग्निशमन सेवाओं की पहुंच में सुधार और विद्युत अवसंरचना का उन्नयन आवश्यक है। पालम में जिस तरह की इमारत थी, वैसे भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अनिवार्य किया जाना चाहिए। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि भविष्य के लिए ठोस इंतजाम किए जाएं।

दिल्ली सरकार ने अग्नि सुरक्षा आडिट की बात दोहराई है। जरूरी है कि काम धरातल पर दिखे। विडंबना यह है कि दिल्ली में आए दिन किसी न किसी इलाके में आग लगने और उसमें भारी नुकसान की खबरें आती रहती हैं, हादसे के बाद तमाम एजंसियां खानापूर्ति करती हैं और नतीजा ढाक के तीन पात रहता है।

ईरान-इजरायल संकट : युद्ध की आग और झुलसती अर्थव्यवस्था

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जो जंग छिड़ी है, वह पूरे विश्व के लिए खतरे की घंटी है। उसकी भीषणता का अंदाजा मिसाइलों और घातक बमों के इस्तेमाल से लगाया जा सकता है। क्रूरता की हद यह है कि युद्ध नियमों को ताक पर रख कर नागरिक इलाकों में भी बम गिराए जा रहे हैं। विद्यालयों को निशाना बनाया जा रहा है। ईरान में लड़कियों के स्कूल पर बमबारी की गई, जिसमें कई छात्राओं की मौत हो गई।

अब अस्पतालों पर भी बम गिराए जा रहे हैं। मानवीय मूल्य पीछे छूट रहे हैं। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के नियमों की परवाह किए बगैर अमानवीय युद्ध लड़ रहे हैं। इस युद्ध का परिणाम साफ दिखाई दे रहा है। तबाही के सिवाय कुछ नजर नहीं आता। कई देश नाहक ही इसकी चपेट में आ गए हैं। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं हैं, उनके निर्यात और आयात पर असर पड़ रहा है। उनकी अर्थव्यवस्था जोखिम में है।

ऊर्जा संकट गहराने से नागरिकों का जीवन मुश्किल में है। उनके सामने चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। भारत की बात करें, तो यह एक ऐसा देश है जो अपनी जरूरत का कच्चे तेल और गैस का 85 फीसद हिस्सा दूसरे देशों से आयात करता है। ईरान सहित मध्यपूर्व के देशों से इसका कम से कम आधा हिस्सा आ रहा था, लेकिन जंग का जो भीषण स्वरूप सामने आ रहा है, उससे वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

होर्मुज जलमार्ग में कंटेनर और जहाज फंस गए। वहां से अधिक आपूर्ति की गुंजाइश कम हो गई है। बेशक इस युद्ध के जारी रहने का कोई कारण किसी को समझ में नहीं आता, क्योंकि शुरू में तो ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई को अपदस्थ करने की बात थी, लेकिन अमेरिका और इस युद्ध को नाहक जारी रखने का क्या कारण है? सिवाय इसके कि अमेरिका यह चाहता है कि ईरान में सत्ता वेनेजुएला की तरह उसकी मर्जी से चले और वह अपने यूरेनियम भंडार को हाथ भी न लगाए।

यह भी पूछा जा रहा है कि ईरान ने चौतरफा लड़ाई क्यों छेड़ निर्यात आधारित बना लेंगे। तेजी से विकास करेंगे। दावा किया गया है कि वर्ष 2047 में अपनी आजादी का शतकीय महोत्सव मनाते समय भारत विकसित राष्ट्र हो जाएगा और हो सकता है अपनी विकास दर से आगे बढ़ते हुए ताकतवर देशों को भी पछाड़ दे, लेकिन यह युद्ध भारत की अर्थव्यवस्था के आसमान छू रहे हैं। अर्थशास्त्रियों के अनुसार अगर कच्चे तेल की कीमत में दस डालर प्रति बैरल वृद्धि होती है, तो महंगाई का आधार अंक बढ़ जाता है। अभी तक भारत ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों की अपेक्षित उछाल को नियंत्रित कर रखा है, लेकिन कितने दिन तक रख पाएगा?

इजराइल के साझा सैन्य हमले में उनकी मौत हो गई। ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम से अमेरिका को डर था कि वह परमाणु बम बना सकता है। मगर क्या उसने वास्तव में ऐसा किया? कई दिनों से चल रही जंग में उसने ऐसा कोई आभास नहीं कराया।

अब तक के युद्ध से स्पष्ट है कि ईरान ने संभवतः परमाणु बम अभी नहीं बनाया, क्योंकि जिस तरह से वह चौतरफा लड़ाई लड़ रहा है, अगर उसके पास यह विध्वंसक हथियार होता, तो वह कब का इसे इस्तेमाल कर चुका होता। ऐसे में सवाल उठता है कि दी है। इसका कारण यह है कि वह इन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डों को देखना नहीं चाहता। इसलिए उन पर हमले कर रहा है। अभी उसने अमेरिका के समर्थक देशों से कहा भी है कि अगर वे हमलावर नहीं होते, तो वह उन पर बमबारी नहीं करता। मगर लगता है ये सभी जुबानी बातें हैं और युद्ध खत्म करने के लिए वास्तव में गंभीर प्रयास करने होंगे। इसे ईमानदारी से समझने की जरूरत है।

तीसरी दुनिया के विकासशील देश यह समझ रहे थे कि अपनी आर्थिकी को आयात आधारित से लिए भी बहुत बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है।

भारत के निवेश और उत्पादन को गतिमान रखने के लिए ऊर्जा आपूर्ति की बहुत जरूरत है। इसके साथ ही आयात से कहीं अधिक निर्यात होना चाहिए, ताकि भारतीय मुद्रा का न तो विनिमय मूल्य घटे और न ही उसे अपने उद्योग चलाने के लिए समृद्ध देशों के आगे आयात के लिए झुकना पड़े। यह तस्वीर कब बदलेगी, फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता।

कच्चे तेल की कीमत जो युद्ध शुरू होने के समय 70 डालर प्रति बैरल थी, वह अब उसके दाम भी

विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिका द्वारा रूस और अन्य बाहरी स्रोतों से एक महीने के लिए कच्चे तेल की खरीद की इजाजत मिलने के बाद भारत कुछ समय के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को बेलगाम होने से रोक सकता है। मगर अभी एकदम जो असर सामने नजर आया है, वह है रसोई गैस सिलेंडरों की बढ़ती कीमत। आपूर्ति कम होने के कारण इनकी कीमतें बढ़ने का अर्थ है कि लोगों की जेब पर बोझ बढ़ेगा। दूसरी ओर वाणिज्यिक गैस का इस्तेमाल कर खाने-पीने की चीजें बनाने वाले अपने दाम बढ़ा देंगे।

अगर स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो देश में रसोई गैस का संकट जल्दी दूर नहीं होगा। हालांकि भारत ने कच्चे तेल की कमी न होने देने के लिए अमेरिका, अफ्रीका और रूस से कच्चे तेल की खरीद शुरू कर दी है। गौरतलब है कि कच्चे तेल की आपूर्ति फंस जाने के कारण भारतीय तेलशोधक कारखानों को अपनी इकाइयां बंद करनी पड़ रही थीं। अब कोशिश की जा रही है कि दूसरे रास्ते से और अन्य देशों से कच्चे तेल के आयात की हिस्सेदारी बढ़ा कर सत्तर फीसद कर दी जाए। इसके अलावा, रूस ने भी कह दिया है कि भारत जितना चाहे कच्चा तेल उससे खरीद ले। वैकल्पिक स्रोतों से कच्चा तेल आयात करने के फैसले के बाद देश की रिफाइनरियों को अपनी बंद इकाइयां शुरू करने के लिए कह दिया गया है।

यह निराशाजनक ही है कि गैस और तेल संकट के बीच जमाखोरी और मुनाफाखोरी शुरू हो गई। सरकार से लेकर तेल कंपनियां तक कह रही हैं कि अफवाहों से बचें। देश के पास तेल भंडारों की कमी नहीं। मगर आम आदमी इस बात से परेशान है कि कितने दिन इन कालाबाजारी की मनमानी सहे। सरकार के दावे का कितना भरोसा करे, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि तेल खरीद अन्य देशों से ही होगी। और कोई रास्ता भी नहीं दिखता। इसलिए अब कच्चे तेल के सौदे का आकार बदलेगा। दिक्कत यह है कि गैस की घटती आपूर्ति का क्या समाधान निकाला जाए, क्योंकि इसके सिलेंडरों के दाम बढ़ने से आम आदमी की मुश्किलें बढ़ेंगी। होटल व्यवसाय पर भी असर पड़ेगा।

युद्ध के कारण पश्चिमी एशिया को निर्यात किए जाने वाले कृषि उत्पाद, बासमती चावल, फल-सब्जियां, डेयरी उत्पाद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ फंस गए हैं। ये जल्दी खराब होने वाली चीजें हैं। इनके खराब होने का डर बेचने वालों को भी रहता है। बेशक युद्ध में भारत की प्रत्यक्ष संलिप्तता नहीं है, लेकिन मांग और कीमतों के बाजार में मार पड़नी शुरू हो गई है। फिलहाल समाधान यही है कि भारत अन्य प्रभावशाली देशों के साथ मिल कर गतिरोध दूर करने में भूमिका निभाएं। युद्धरत देशों से निरर्थक लड़ाई बंद करने के लिए आग्रह करे।

बहू का हुनर या श्रम का शोषण? शादी समारोहों में छिपी पितृसत्ता की गहरी जड़ें

शादी समारोहों का आयोजन कई बार कुछ सामाजिक समस्याओं की जड़ों और उसकी समाजशास्त्रीय व्याख्याओं को समझने का मौका भी होता है। खासतौर पर नई बहू के बारे में बात करते हुए अगर उससे घर-परिवार को संभालने की अपेक्षा की जाती है, तो यह कोई हैरान होने वाली बात नहीं होती। मगर कोई पढ़ी-लिखी महिला यह कहे कि शुरू से ही नई बहू से घर के सारे काम कराना चाहिए, तभी पता चल पाएगा कि उसे कौन-कौन-सा हुनर आता है, तो थोड़ी हैरानी जरूर होती है।

यही नहीं, कहा यहां तक जाता है कि अगर नई बहू से शुरू से घर के काम नहीं कराया जाएगा, तो उसका 'मन बढ़' जाएगा और आगे वह घर के काम से कन्नी काटने लगेगी। सवाल है कि इस तरह अपेक्षाओं और बातों का स्रोत क्या होता है! खासतौर पर जिस महिला को अपनी ससुराल में घर के सारे काम करने पड़ते हैं, खाना बनाने से लेकर पूरे परिवार के कपड़े धोने तक, उसे घर में बाकी लोगों को आराम देने के लिए नई बहू से ही काम कराने की सामाजिक रिवायत पर फिर से सोचना चाहिए।

जिन बहुओं को शुरू में ही घर के काम में झोंक दिया जाता है, उनके बारे में अक्सर ऐसा सुनने में आता है कि बीमार होने पर उन्हें ठीक से इलाज नहीं मिल पाया, सास के ताने सुनने पड़े, घर में कई तरह की पाबंदी थी। मगर अफसोस कि कई बार ऐसी महिलाएं भी अपनी स्थिति को लेकर सहज रहती हैं और नई बहुओं से वैसा ही करने की अपेक्षा करती हैं। यह बस उम्मीद ही की जा सकती है कि खुद कई स्तरों पर वंचना झेलने वाली महिला अपने घर में आने वाली नई बहू को सभी तरह से आजादी और सम्मान देगी। मगर व्यवस्था से पीड़ित किसी महिला का वंचना की परंपरा को बनाए रखने की वकालत तकलीफदेह होती है।

असल में यह उदाहरण भारतीय परिवार व्यवस्था का नमूना है। सवाल है कि जिस व्यवस्था से कोई पीड़ित है, वह उसका हिमायती कैसे हो सकता है? इटली के दार्शनिक एंतोनियो ग्राम्शी की 'हेजेमनी', यानी आधिपत्यवाद का सिद्धांत याद किया जा सकता है। उसमें उनका कहना था कि वर्चस्ववादी तबका सांस्कृतिक और वैचारिक औजार के जरिये अपना वर्चस्व बनाए रखता है। स्त्रियों के संदर्भ में आधिपत्यवाद का अर्थ उस सामाजिक व्यवस्था से है, जिसमें पुरुषों या पितृसत्तात्मक शक्ति का प्रभुत्व समाज के लगभग हर क्षेत्र में स्थापित होता है और धीरे-धीरे इसे सामान्य और स्वाभाविक मान लिया जाता है।

यह प्रभुत्व केवल बल या कानून के माध्यम से नहीं चलता, बल्कि समाज की सोच, परंपराओं, संस्कृति, भाषा और मान्यताओं के माध्यम से भी कायम रहता है। इस व्यवस्था में महिलाओं की भूमिकाएं पहले से तय कर दी जाती हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे मुख्य रूप से घर, परिवार और देखभाल से जुड़ी जिम्मेदारियां निभाएं, जबकि सार्वजनिक जीवन, राजनीति, आर्थिक निर्णय और सत्ता के क्षेत्र पुरुषों के अधिकार क्षेत्र माने जाते हैं। समय के साथ ये धारणाएं इतनी गहराई से समाज में रच-बस जाती हैं कि लोग इन्हें स्वाभाविक मानने लगते हैं।

आधिपत्यवाद की खास बात यह है कि इसमें नियंत्रण हमेशा प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता। महिलाएं सामाजिक मान्यताओं और परंपराओं के प्रभाव में उन्हीं दकियानूस नियमों को स्वीकार कर लेती हैं, जो उन्हें संकुचित या संकीर्ण बनाते हैं। इस तरह यह प्रभुत्व सामाजिक सहमति और वैचारिक प्रभाव के जरिए चलता रहता है। मीडिया, साहित्य, शिक्षा और धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएं भी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाती हैं, क्योंकि वे स्त्री और पुरुष की निश्चित छवियां और भूमिकाएं प्रस्तुत करती हैं।

इसलिए स्त्रियों के संदर्भ में आधिपत्यवाद को समझने का मतलब है यह देखना कि किस प्रकार समाज की संरचनाएं, विचार और परंपराएं मिलकर पितृसत्ता को बनाए रखती हैं और महिलाओं की स्वतंत्रता, अवसरों और निर्णय-क्षमता को सीमित करती हैं। सूक्ष्म तरीके से देखें तो ये सब बातें यहीं तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वर्चस्ववादी ताकतें अपनी व्यवस्था को आगे बनाए रखने के लिए पीड़िता को ही अपना हथियार बनाती हैं। इसमें पीड़ित महिला इस सोच से बाहर निकलने के बजाय यथास्थिति की वकालत करती है, जबकि मानवीय बराबरी और सम्मान पाने के लिए उसे उठ खड़ा होने की जरूरत होती है।

उपन्यासकार, चित्रकार और कवि जान बर्जर अपनी किताब 'वे आफ सीइंग' में महिलाओं की छवि और उनके सामाजिक स्थान को लेकर कहते हैं कि कला और आधुनिक मीडिया में महिलाओं को अक्सर ऐसे दिखाया गया है कि वे देखे जाने की वस्तु बन गई हैं, जबकि पुरुषों को देखने वाले और निर्णय लेने वाले के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उनके अनुसार, समाज में पुरुष और स्त्री की भूमिकाएं अलग तरह से बनाई जाती हैं।

पुरुष को सक्रिय, नियंत्रक और देखने वाला माना जाता है, जबकि स्त्री को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि वह स्वयं को लगातार इस नजर से देखती है कि लोग उसे कैसे देख रहे हैं। उसे दूसरों के सामने सुंदर दिखना है, जिसकी परिभाषा देखने वाले ने तय की है। दरअसल, समाज, कला और मीडिया में स्त्री की छवि इस तरह बनाई जाती है कि वह लगातार खुद को दूसरों की निगाह से देखने लगती है। इसे इस तरह भी कहा जा सकता है कि पुरुष, महिला के श्रम का उपभोक्ता है और महिला के मानसिक ढांचे को ऐसे तैयार किया गया है कि वह खुद को पुरुष के नजरिए से ढाल ले। वास्तव में पारंपरिक सांचे में रची-बसी और सोचती एक आम स्त्री यही करती है। उसकी अपनी खुद की नजर नहीं होती, बल्कि खुद को देखने के लिए उसे पितृसत्ता की नजर की जरूरत लगती है!

दूषित जल : विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है। इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है।

निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

मिशन शक्ति (फेज-5) का द्वितीय चरण

नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन एवं जागरुकता हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला स्कूटी रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारम्भ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन के निर्देशानुसार महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने एवं जागरुक करने हेतु मिशन शक्ति (फेज-5) के द्वितीय चरण के अंतर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान व नारी स्वावलंबन हेतु अभिनव त्यागीपुलिस अधीक्षक, भदोही द्वारा महिला स्कूटी रैली (शक्ति दीदी अभियान) का पुलिस लाईन ज्ञानपुर भदोही से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली का शुभारम्भ किया गया। उक्त रैली पुलिस लाईन ज्ञानपुर से दुर्गागंज तिराहे होते हुए मुख्यालय तक आयोजित किया गया।

पुलिस अधीक्षक भदोही ने अपने वक्तब्य में बताया कि मिशन शक्ति (फेज-5) के द्वितीय चरण में भदोही पुलिस का संकल्प सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास जगाना भी है। हमने जनपद के हर थाने और बीट स्तर पर महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया है, जो सीधे गाँवों और स्कूलों में जाकर संवाद कर रही हैं।

हमारा स्पष्ट संदेश है– अपराधी चाहे कोई भी हो, महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 1090 और 112 जैसी हेल्पलाइन सेवाएं आपकी ढाल हैं। हम भदोही की हर बेटी और महिला को भरोसा दिलाते हैं कि खाकी आपकी सुरक्षा

के लिए हर वक्त मुस्तैद है। डरिए मत, आगे बढ़िए, भदोही पुलिस आपके साथ है।'

मिशन शक्ति (फेज-5) के द्वितीय चरण के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत जनपद के समस्त थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों व समस्त थानों पर गठित एंटीरोमियों टीम द्वारा गाँवों में जन चौपाल लगाकर व बस स्टैंड/बाजार/गांव/कस्बा/स्कूल/कालेज/सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं/बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाओं/बालिकाओं को शासन/यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएँ जैसे विमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बर के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है ।

कार्यक्रम के दौरान शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही, बलराम क्षेत्राधिकारी पुलिस लाईन, महिला थाना प्रभारी, प्रतिसार निरीक्षक, प्रभारी यातायात व अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

ई-लॉटरी के प्रथम चरण में 10 आबकारी दुकानों का सफल व्यवस्थापन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी भदोही शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की संयुक्त अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आबकारी विभाग की नवीनीकरण से अवशेष दुकानों के प्रथम चरण की ई-लॉटरी प्रक्रिया दोपहर 03 बजे संपन्न हुई।

ई-लॉटरी के माध्यम से जनपद में देशी शराब की कुल 09 दुकानों तथा 01 भांग की दुकान का सफलतापूर्वक व्यवस्थापन किया गया। प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर गठित समिति में पुलिस अधीक्षक भदोही अभिनव त्यागी, आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा नामित सदस्य जनार्दन यादव सदस्य के रूप में तथा जिला आबकारी अधिकारी अरुण कुमार शुक्ल सदस्य/सचिव के रूप में उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराते हुए सभी आवश्यक दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया।

प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा, मंडलायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

निर्वाचन कार्यों की समीक्षा बैठक, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश : मंडलायुक्त

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर प्रशासन सख्त, संदिग्ध फॉर्मों की पुनः जांच के आदेश

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत मंडलायुक्त मिर्जापुर रोल प्रेक्षक राजेश प्रकाश द्वारा जनपद में द्वितीय भ्रमण किया गया। भ्रमण हे दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में तीनों विधान विधानसभा के ई.आर.ओ/ए.ई.आर.ओ. के साथ समीक्षा बैठक की गयी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में जिन बूथों पर अत्यधिक संख्या में मतदाताओं के नाम बढ़ाने हेतु फॉर्म प्राप्त हुये है एवं जहाँ पर सर्वाधिक नाम काटने के फॉर्म प्राप्त हुये हैं उन बूथों पर प्राप्त फार्मों को पुनः जांचकर के आयोग के निर्देशानुसार कार्यवाही कराये जाने के निर्देश दिये गये है। मतदाताओं को वोटर कार्ड उपलब्ध कराये जाने कार्यवाही की भी समीक्षा की गयी तथा निर्देश दिया गया कि आयोग से मतदाता फोटो पहचान पत्र प्राप्त होते है। संबंधित मतदाताको को उपलब्ध करा दिया जाय। उक्त के अतिरिक्त मतदाताओं से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार, अपार जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, समस्त उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भानसिंह, औराई श्याममणि त्रिपाठी, अरुण गिरि, समस्त तहसीलदार, समस्त खंड विकास अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी संजय, संबंधित ए.ई.आर.ओ. उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनसुनवाई को प्रभावी और परिणाममुखी बनाने के लिए जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान उन्होंने दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके से ही वीडियो लाइव के माध्यम से सभी विभागीय अधिकारियों को जोड़कर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

डीएम ने स्पष्ट कहा कि सभी शिकायतों को संबंधित पोर्टल पर दर्ज कर निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित किया जाए। उन्होंने आदेश दिया कि प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक सभी अधिकारियों की कार्यालय में उपस्थिति अनिवार्य होगी और इस दौरान कोई भी अधिकारी अनुपस्थित नहीं रहेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों का निस्तारण सिर्फ औपचारिकता न हो, बल्कि फरियादी को वास्तविक न्याय मिलना चाहिए। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। जनसुनवाई में मौजूद लोगों ने डीएम की त्वरित कार्यशैली और तकनीक के माध्यम से पारदर्शी कार्रवाई की सराहना की। इस दौरान अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विजय नारायण सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अलविदा जुमे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, डीएम-एसपी ने संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ईद के अंतिम शुक्रवार (अलविदा जुमे) के मद्देनजर जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में जिलाधिकारी शैलेष कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने नगर क्षेत्र के अजीमुल्लाह चौराहा समेत विभिन्न संवेदनशील स्थानों का संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रमुख मार्गों, मस्जिदों के आसपास और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का जायजा लेते हुए सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नमाज के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए और सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं।

अलविदा जुमे की नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जनपद में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, साथ ही यातायात प्रबंधन को भी सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारे के साथ पर्व मनाएं तथा प्रशासन का सहयोग करें। इस दौरान उपजिलाधिकारी अरुण कुमार गिरी, क्षेत्राधिकारी, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने दो सांप पकड़े

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां के रामबाग अभिया रोड स्थित आशीष ऑफसेट प्रिंटर्स के ऑफिस के पीछे रूम में आज 11 बजे दिन में करीब सात फीट का जहरीला साप और एक चीतर सांप जो जंप करता इसके काटने पर व्यक्ति बचता नहीं है सूचना रेंजर एस पी सिंह को ए के सिंह द्वारा दी गई टीम आकर दो घंटे रेस्क्यू टीम ने दो सांप पकड़ने में सफलता प्राप्त की। रेस्क्यू टीम में रेंजर सुरेंद्र प्रताप सिंह, बन रक्षक माता सेवक, बन रक्षक ताड़क नाथ दुबे, बृजलाल, रोहित मौर्य में रहे । रेंजर ने बताया कि एक लम्बा सांप भाभी जो घोड़े से अधिक तेज भागता है। दूसरा चितर सांप जो जंप करता है काटने पर कोई बचता नहीं है। दो सांप डिब्बे में भरकर किसी जंगल में छोड़ने के लिए ले गए। सांप देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। सांप पकड़े जाने पर राहत की सास लिए। उपस्थित लोगों ने आई टीम की सराहना की गई।

जिपं अध्यक्ष व सीडीओ ने 251 महिलाओं को दिया प्रशस्ति पत्र

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम के तीसरे दिन विकास भवन के डीपीआरसी सभागार में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने संयुक्त रूप से की।

महिला कल्याण विभाग द्वारा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली 251 महिलाओं को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान 21 कन्याओं का तिलक पूजन कर उन्हें टी-शर्ट, चुनरी, फल, मिठाई व प्रसाद भेंट किया गया, वहीं 21 बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाते हुए बेबी किट व पोषण पोटली वितरित की गई।

कार्यक्रम में हस्ताक्षर अभियान चलाकर 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान का समापन भी किया गया।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत 101 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जबकि 1141 बच्चों के खातों में 2500 रुपये प्रतिमाह की दर से कुल 87.95 लाख रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई।

कन्या सुमंगला योजना के तहत बालिकाओं के जन्म से लेकर शिक्षा तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। जनपद में अब तक 18806 बालिकाएं इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं। वहीं कोविड-19 से प्रभावित बच्चों के लिए संचालित बाल सेवा योजना के अंतर्गत 199 बच्चों को लाभ दिया गया है, जबकि स्पॉन्सरशिप योजना से 1507 बच्चे लाभान्वित हो चुके हैं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी शत्रुघ्न कन्नौजिया सहित अन्य अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

सीडीओ बाल गोविन्द शुक्ल ने आकस्मिक निरीक्षण, गौ-संरक्षण केंद्र बैदाखास की व्यवस्थाएं संतोषजनक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल द्वारा आकस्मिक रूप से विकास खंड ज्ञानपुर स्थित गौ संरक्षण केंद्र बैदाखास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जनार्दन मौर्य, पशु मित्र संदीप यादव एवं केयर टेकर मौके पर उपस्थित मिले। निरीक्षण में पाया गया कि केंद्र पर कुल 375 गोवंश संरक्षित हैं। केंद्र की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक रही तथा गोवंशों के लिए भूसा एवं चोकर की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध पाई गई। साथ ही केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरे भी क्रियाशील अवस्था में मिले। संरक्षित गोवंशों में से दो गाय दूध दे रही हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने भूसा भंडारण एवं दान के माध्यम से भूसा प्राप्त करने की व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गोवंशों के लिए हरे चारे की नियमित एवं पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

सरकारी भूमि के अवैध आवंटन पर सख्ती आयुक्त के निर्देश पर जांच व कार्रवाई के आदेश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। विंध्याचल मंडल के आयुक्त ने सरकारी भूमि के अवैध आवंटन और उसके निरस्तीकरण से जुड़े बहुचर्चित प्रकरण में कड़ा रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी को जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

वाद संख्या 272/2017 (रहमतुल्ला बनाम राधेश्याम) में 19 मार्च 2026 को पारित अंतिम आदेश में आयुक्त ने स्पष्ट किया कि संबंधित भूमि, जो तालाब व ऊसर श्रेणी की सरकारी जमीन है, का वर्ष 1978 में नियमों के विपरीत आवंटन किया गया था। इतना ही नहीं, बाद में इस भूमि का अवैध तरीके से अन्य व्यक्तियों के नाम विक्रय भी किया गया, जो पूरी तरह विधि विरुद्ध है।

आयुक्त ने निगरानी याचिका को निरस्त करते हुए वर्ष 1978 के निरस्तीकरण आदेश को यथावत बनाए रखा और जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि राजस्व अभिलेखों में इस आदेश का सही अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। यदि अभिलेखों में गड़बड़ी पाई जाए तो तत्काल सुधार किया जाए।

साथ ही आदेश के अनुपालन में हुई देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक व आपराधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

आयुक्त ने यह भी कहा कि संबंधित सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए तुरंत विधिक कार्रवाई शुरू की जाए। पूरे मामले में संभावित मिलीभगत की जांच अपर जिलाधिकारी स्तर के अधिकारी से कराकर 30 अप्रैल 2026 तक रिपोर्ट मांगी गई है, जबकि दोषियों के खिलाफ 15 मई 2026 तक कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।

आयुक्त ने इस प्रकरण को गंभीर बताते हुए कहा कि इसमें सरकारी भूमि के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के संकेत मिलते हैं, इसलिए निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

विराट जवाबी बिरहा का मुकाबला आज

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावा विकासखंड स्थित ग्राम सभा मर्दन शाहपुर में विगत वर्षों की बात आज दिनांक 21 मार्च 2026 दिन शनिवार को गायक कलाकार बच्चा लाल यादव प्रयागराज व गायीका कलाकार लक्ष्मी प्रदर्शनी बक्सर बिहार के बीच होगा तथा स्वामी जी की आरती एवं तथा भंडारा का भी आयोजन होगा कार्यक्रम के उद्घाटन करता नगर पंचायत अध्यक्ष सुरियावा विनय चौरसिया व डॉ गणेश कुमार यादव संचालक ईसी हॉस्पिटल भदोही मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश चंद्र मौर्य व वह डॉक्टर ओम प्रकाश यादव संचालक प्रकाश हॉस्पिटल सुरियावा आयोजन करता धर्मराज यादव मर्दन शाहपुर ने बताया कि यह कार्यक्रम विगत कई वर्षों से हो रहा है लोग पहुंचकर कार्यक्रम का आनंद उठाएं।

पुरातात्विक धरोहरों की छायाचित्र प्रदर्शनी, संरक्षण पर मंथन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई वाराणसी एवं विजडम विंग्स पब्लिक स्कूल, ज्ञानपुर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को 'पुरातात्विक धरोहरों की छायाचित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण एवं चुनौतियां' रहा, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अद्या प्रसाद विश्वकर्मा, प्राचार्य काशी नरेश राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. बसंत कुमार यादव और क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. राम नरेश पाल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्राचीन सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी झलकियों को देखा और सराहा।

व्याख्यान के दौरान क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. राम नरेश पाल ने कहा कि देश की सांस्कृतिक और पुरातात्विक धरोहरें हमारी पहचान और गौरव की प्रतीक हैं। इनके संरक्षण में समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने अतिक्रमण, पर्यावरणीय प्रभाव और जागरूकता की कमी को प्रमुख चुनौतियां बताते हुए युवाओं से आगे आने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि अद्या प्रसाद विश्वकर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं तथा उनमें संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिशिर कुमार यादव, क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई के अधिकारीगण, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

गुढीपाड़वा पर दांडेकर विद्यालय की भव्य शोभायात्रा, पारंपरिक रंग में रंगा भिवंडी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी स्थित दादासाहेब दांडेकर विद्यालय में गुढीपाड़वा (हिंदू नववर्ष) के अवसर पर गुरुवार को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। सुबह 6:30 बजे निकली इस शोभायात्रा में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर कल्याण नाका, धर्मवीर आनंद दिघे चौक, अशोक नगर, कल्याण रोड और गोपाल नगर मार्गों से होते हुए निकली। इस दौरान पूरे क्षेत्र में पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-ताशों की गूंज और जयघोष से उत्सवी माहौल बन गया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक झांकियां रहीं। इनमें संत परंपरा, समाज सुधारकों, देशभक्तों, रामायण-महाभारत के पात्रों, वारकरी वेशभूषा और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाले जीवंत दृश्य शामिल थे, जिन्हें देखकर नागरिक मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रतीकात्मक स्वरूप द्वारा गुढी का पूजन कर विधिवत स्थापना की गई। साथ ही विद्यार्थियों को गुढीपाड़वा का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व भी समझाया गया और भारतीय परंपराओं को सहेजने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में शिशुविहार शिक्षण संस्था के अध्यक्ष सुधीर देशमुख, उपाध्यक्ष शीतल देशमुख, सचिव प्रताप देसले समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन में पुलिस प्रशासन, वारकरी मंडल और स्थानीय संगठनों का भी सहयोग मिला।

दांडेकर विद्यालय द्वारा आयोजित यह शोभायात्रा सामाजिक एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और नववर्ष के स्वागत का प्रतीक बनकर सामने आई।

भिवंडी सबजेल से फरार शातिर आरोपी एक माह बाद कोल्हापुर से धराया

चैन स्नैचिग और मोबाइल चोरी के 16 मामलों में था वांछित

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी सब जेल से फरार एक शातिर अपराधी को एक माह के बाद पुलिस ने कोल्हापुर से धरदबोचा है। फरार होने की घटना ने पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। चैन छिनौती और मोबाइल चोरी के कई मामलों में गिरफ्तार आरोपी ने रविवार रात करीब 9 बजे पुलिस को चकमा देकर जेल से फरार हो गया।पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर पुनः सरगर्मी से तलाश में जुट गई है।लेकिन जेल से लगातार भाग रहे आरोपियों ने पुलिस द्वारा की जा रही जेल सुरक्षा पर सवालिया निशान लगा दिया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भिवंडी की सब जेल में बंद रवींद्र भोसले (28), निवासी देवजी नगर को रविवार रात आरोपी को औषधि और भोजन देने के लिए सब जेल से बाहर निकाला गया था। इसी दौरान उसने बंदोबस्त पर तैनात पुलिसकर्मियों की नजर से बचते हुए

मौके का फायदा उठाया और वहां लगी लोहे की जाली तोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस विभाग में खलबली मच गई है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि रवींद्र भोसले चैन छिनौती और मोबाइल चोरी के मामलों में शातिर अपराधी है। गुप्त सूचना के आधार पर भिवंडी क्राइम ब्रांच ने करीब आठ दिन पहले उसे गिरफ्तार किया था। सोमवार (16 फरवरी) तक पुलिस कस्टडी होने के कारण उसे तहसीलदार कार्यालय परिसर स्थित सब जेल में रखा गया था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी के खिलाफ भिवंडी, कल्याण, ठाणे, उल्हासनगर, कर्जत रेलवे और पुणे रेलवे क्षेत्र में कुल 16 मामले दर्ज हैं, जिनमें 13 चैन स्नैचिग चोरी और 3 मोबाइल चोरी के मामले शामिल हैं। उसकी गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से करीब 15 तोला सोने के आभूषण और 21 मोबाइल फोन समेत करीब 8 लाख 55 हजार रुपये का माल बरामद किया था।

आरोपी के फरार होने के बाद शांतीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुट गई हैं।

भिवंडी में तेज रफ्तार बाइक का कहरः एक की मौत,दूसरा युवक गंभीर घायल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के देवजी नगर इलाके में 18 मार्च को तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान राम खिलावन यादव (60) गोविंद नगर रहवासी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से ग्राम बारा मछली शहर, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले थे। वह दूध के कारोबार से जुड़े थे और घटना के समय देवजी नगर क्षेत्र में सेंट्रल बैंक की ओर पैदल जा रहे थे।

इसी दौरान MH-04-JA-7191 नंबर की बजाज पल्सर बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में हरिश श्याम लाल यादव (22) भी घायल हो गए। दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

जहां से गंभीर हालत को देखते हुए मुंबई के केईएम अस्पताल रेफर किया गया। बाद में घायल हरिश यादव को विक्रोली स्थित गोदरेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। परिजनों के अनुसार, राम खिलावन यादव अपने पीछे पत्नी और एक बेटी छोड़ गए हैं। उनकी अचानक मौत से परिवार में शोक की लहर है।पुलिस ने मामला दर्ज कर बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में बढ़ती तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

भक्ति और शक्ति का मिलनः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं राधा केली कुंज, संत प्रेमानंद महाराज से लीं आध्यात्मिक सीख

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह संत प्रेमानंद से मुलाकात कर उनसे आध्यात्मिक चर्चा की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति 19 मार्च से उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। बृहस्पतिवार को अयोध्या में दर्शन-पूजन के बाद वह मथुरा पहुंचीं, जहां उन्होंने मंदिरों में पूजा-अर्चना की और कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। शुक्रवार सुबह उन्होंने आध्यात्मिक कार्यक्रमों से दिन की शुरुआत की।

राष्ट्रपति राधा केली कुंज स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने संत के प्रवचन सुने। यह सप्ताह इसलिए भी विशेष है क्योंकि बृहस्पतिवार को संत प्रेमानंद जी महाराज का जन्मदिन था। आश्रम में राष्ट्रपति ने संत से आध्यात्मिक चर्चा की और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने प्रसन्न मुद्रा में 'राधे-राधे' कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को जन्मदिन की बधाई भी दी।

कौन हैं संत प्रेमानंद महाराज?

वृंदावन के राधा केली कुंज के संत प्रेमानंद जी महाराज अपने 'राधा नाम' जप और सत्संग के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। उनके दर्शन के लिए आम जनता से लेकर बड़े-बड़े राजनेता और अभिनेता लाइन में खड़े रहते हैं। उनका सरल जीवन और भक्ति मार्ग करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च से उत्तर प्रदेश के प्रवास पर हैंः अयोध्या दर्शनः गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। मथुरा आगमनः अयोध्या के बाद वह कृष्ण की नगरी मथुरा पहुंचीं, जहां उन्होंने प्रमुख मंदिरों में मत्था टेका। आध्यात्मिक शुरुआतः शुक्रवार के दिन की शुरुआत उन्होंने वृंदावन के संतों के सानिध्य में की।

शालिवाहन सेवाभावी संस्था की पहल, जन जन तक पहुंचे शक कलेंडर भारतीय संस्कृति परंपरा

गुड़ी पड़वा पर भिवंडी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन उमड़ा जनसैलाब

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

संवत भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भिवंडी शहर के अशोकनगर में स्थित शके शालिवाहन अमर शहीद रावराम बख्श चौक पर गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जो शाम 5 बजे से शुरू होकर रात 9 बजे तक चला।जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही और पूरा क्षेत्र उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम का आयोजन शालिवाहन सेवाभावी संस्था (रजि.) की ओर से किया गया। इस अवसर पर नववर्ष के उपलक्ष्य में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

संस्था के अध्यक्ष विनोद त्रिपाठी ने बताया कि शके संवत भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, जिसके आधार पर देश में अनेक धार्मिक पर्व और शुभ कार्यों की तिथियां निर्धारित की जाती हैं। इसी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी

को इससे जोड़ने के उद्देश्य से इस आयोजन को रूप दिया गया।कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के बीच साबूदाने की खिचड़ी को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। साथ ही मंच पर उपस्थित अतिथियों का शाल व पुष्प देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर शिवसेना(शिंदे) जिला प्रमुख सुभाष माने,भाजपा शहर अध्यक्ष रवि सावंत, नगरसेवक प्रशांत लाड, बालाराम चौधरी, रोहित चौधरी, मनोज काटेकर,उत्तरभारतीय समाज सेवा संस्था के अध्यक्ष गोपाल सिंह ठाकुर, समाजसेवक फूलचंद यादव, कार्तिक दूबे एवं पी. डी. यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में संस्था के अध्यक्ष विनोद त्रिपाठी ने सभी अतिथियों व उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने संस्था के पदाधिकारी सुनील सिंह, अब्दुल गनी खान, ललित सिंह, के.के. गुप्ता, नीलम तिवारी, पूनम त्रिपाठी सहित अन्य ने भरपूर मेहनत की।कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में उल्लास का माहौल देखने को मिला और लोगों ने नववर्ष का स्वागत पूरे उत्साह के साथ किया।

राज ठाकरे की पीएम मोदी को चेतावनी, ईरान का साथ न देने की 'बड़ी भूल' पड़ेगा भारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने ईरान को केंद्र सरकार के समर्थन की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ईरान भारत का लंबे समय से सहयोगी रहा है, खासकर जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील मुद्दे पर। उन्होंने चेतावनी दी कि एक भरोसेमंद सहयोगी का साथ न देने से भारत को गंभीर कूटनीतिक और आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का अधिकांश तेल ईरान से आता है और ईरान ने इसे रुपयों में आपूर्ति की है।

उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क में गुड़ी पड़वा के अवसर पर दिए अपने भाषण में कहा कि जब ईरान पर हमला हुआ, तो हमारे प्रधानमंत्री ने समर्थन में एक भी बयान जारी नहीं किया। खामेनेई के निधन के बाद भी शोक या विरोध का कोई आधिकारिक संदेश नहीं आया। एमएनएस की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर ठाकरे ने इस उपलब्धि को

'दिव्य संकेत' बताया और विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी अंततः सत्ता में आकर महाराष्ट्र की खोई हुई शान को पुनर्स्थापित करेगी। अपने विस्तृत भाषण में उन्होंने राज्य के बढ़ते कर्ज, बिगड़ते शहरी बुनियादी ढांचे के बारे में बात की और ईरान-इजराइल संघर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की कड़ी आलोचना की। बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में एमएनएस की करारी हार के बाद यह उनका पहला भाषण था, जबकि उन्होंने मराठी गौरव और मराठी मानुष के हितों की रक्षा के मुद्दों पर अपने चचेरे भाई और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ हाथ मिलाया था।

घरेलू मामलों की ओर मुड़ते हुए, ठाकरे ने महाराष्ट्र की वित्तीय स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के कार्यकाल में 2014 में राज्य का कर्ज लगभग 2 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और विकास की बात करते हैं, लेकिन राज्य कर्ज में डूब रहा है। उन्होंने तटीय सड़क जैसी बड़े पैमाने की अवसंरचना परियोजनाओं की आलोचना करते हुए दावा किया कि ये आम नागरिकों के लिए नहीं बल्कि बाहरी लोगों और अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों को महाराष्ट्र में जमीन हथियाने में सक्षम बनाने के लिए बनाई गई हैं।

भिवंडी सबजेल से फरार शातिर आरोपी एक माह बाद कोल्हापुर से गिरफ्तार

16 मामलों में था वांछित, गिरफ्तारी के 8 दिन बाद जेल से हुआ था फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी सबजेल से फरार हुए एक शातिर आरोपी को करीब एक महीने बाद पुलिस ने कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ चैन स्नैचिंग और मोबाइल चोरी के कुल 16 मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान रवींद्र भोसले (28), निवासी देवजी नगर के रूप में हुई है। वह 16 फरवरी की रात करीब 9 बजे सबजेल से फरार हो गया था। जानकारी के मुताबिक, आरोपी को दवा और भोजन देने के लिए जेल से बाहर निकाला गया था। इसी दौरान उसने पुलिसकर्मियों को चकमा देकर मौके का फायदा उठाया और लोहे की जाली तोड़कर फरार हो गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ भिवंडी, कल्याण, ठाणे, उल्हासनगर, कर्जत रेलवे और पुणे रेलवे क्षेत्र में कुल 16 मामले दर्ज हैं,

जिनमें 13 चैन स्नैचिंग और 3 मोबाइल चोरी के मामले शामिल हैं। उसकी पूर्व गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से करीब 15 तोला सोना और 21 मोबाइल फोन समेत लगभग 8.55 लाख रुपये का माल बरामद किया था। पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने बताया कि आरोपी की तलाश के लिए कई टीमों का गठन किया गया था। इसी बीच नारपोली पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक महेंद्र पाटिल की टीम को सूचना मिली कि आरोपी कोल्हापुर के रंकाला इलाके में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर नारपोली पुलिस ने कोल्हापुर क्राइम ब्रांच के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए 19 मार्च 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद शांतिनगर पुलिस उसे भिवंडी लेकर आई और अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि फरारी के दौरान आरोपी को किसने मदद पहुंचाई।

गंगा नदी पर चिकन बिरयानी खाना पड़ा महंगा, गिरफ्तार युवक भेजे गए जेल

वाराणसी **(एजेंसी)**। जिले की एक अदालत ने गंगा नदी में नौका पर इफ्तार पार्टी आयोजित करने और कथित रूप से चिकन बिरयानी खाने के मामले में गिरफ्तार 14 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिविजन) अमित कुमार यादव ने बृहस्पतिवार को सभी आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शिकायतकर्ता रजत जायसवाल के वकील शशांक शेखर त्रिपाठी के अनुसार, आरोपियों ने एक नाविक को धमकाया और जबरन अपने साथ ले जाकर नदी में उसकी नौका पर पार्टी की। घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद इन 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उसी दिन भाजपा युवा मोर्चा की नगर इकाई के अध्यक्ष रजत जायसवाल ने लिखित शिकायत दी थी। पुलिस ने नाविक और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर अदालत में रिपोर्ट भी पेश की। इसके बाद आरोपियों पर अपहरण सहित कई और धाराएं जोड़ने की अर्जी दी गई। जायसवाल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धार्मिक स्थल को अपवित्र करने और धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। शिकायतकर्ता ने कहा, ''सनातन धर्म मानने वालों के लिए गंगा के प्रति गहरी और अटूट आस्था है। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु हर दिन काशी आकर गंगाजल से पूजा-अर्चना करते हैं।

आज तलवंडी साबो के लिए रेलवे लिंक को मंजूरी देते हुए इतिहास रचा गयाः रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह

भारतीय रेलवे ने तख्त श्री दमदमा साहिब के लिए ऐतिहासिक तलवंडी साबो रेल लिंक को मंजूरी दी, अब सभी पाँच तख्त आपस में रेल मार्ग से जुड़ेंगे

बठिंडा आज तलवंडी साबो के लिए रेलवे लिंक को मंजूरी मिलने के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। यह पवित्र भूमि तख्त श्री दमदमा साहिब की है, जो सिख धर्म के पाँच तख्तों में से एक है।

इस अवसर को साझा करते हुए गर्व व्यक्त करते हुए, केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, श्री रवनीत सिंह ने बठिंडा में घोषणा की कि यह परियोजना केवल एक रेलवे लाइन नहीं है–यह आस्था, गर्व और पंजाब के लिए लंबे समय से लंबित न्याय का प्रतीक है। इस विकास के साथ, तख्त श्री दमदमा साहिब अब अन्य चार तख्तों से रेलवे द्वारा जुड़ जाएगा, जो धार्मिक और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रमन मंडी-सद्दा सिंहवाला नई ब्रॉड गेज रेल लाइन परियोजना, मानसा-बठिंडा डबलिंग परियोजना के अंतर्गत एक प्रमुख बुनियादी ढांचा पहल है। 42.9 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की कुल लागत ?1118.47 करोड़ होगी, जबकि प्रति किलोमीटर लागत ?26.07 करोड़ है। यह परियोजना मानसा और बठिंडा जिलों को कवर करेगी और क्षेत्रीय विकास एवं परिवहन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस परियोजना के लिए कुल 192.42 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी, जिसमें मानसा जिले में 40.508 हेक्टेयर और बठिंडा जिले में 151.912 हेक्टेयर भूमि शामिल है। परियोजना के अंतर्गत

कुल 6 स्टेशन बनाए जाएंगे–2 मौजूदा और 4 नए स्टेशनः लालेआना, तलवंडी साबो, जगा राम तीर्थ, कमालू सवाइच, तथा कमालू सवाइच में एक जंक्शन केबिन।

यह रेलवे लाइन पूरी तरह से लेवल क्रॉसिंग मुक्त होगी और इसमें 2 प्रमुख पुल, 1 अतिरिक्त प्रमुख पुल घटक, 56 छोटे पुल तथा 55 रोड अंडर ब्रिज शामिल होंगे। इसके साथ ही इसमें ž25 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन और आधुनिक ईंण्थ्ए-घ्घ्छ सिग्नलिंग प्रणाली लगाई जाएगी।

अपने संबोधन में रवनीत सिंह ने पंजाब की पूर्व सरकारों पर सवाल उठाते हुए कहा कि दशकों तक कांग्रेस, उसके बाद आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने शासन किया, लेकिन उन्होंने न तो सार्थक बुनियादी ढांचा विकास किया और न ही सिख विरासत का उचित सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इन दलों ने आस्था और भावनाओं का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग किया, लेकिन ठोस कार्य नहीं किए–जैसे कि पाँचों तख्तों को रेल मार्ग से जोड़ना। उन्होंने अंत में वर्तमान नेतृत्व, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सिख आस्था का सम्मान विकास और बुनियादी ढांचे के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे लोगों की लंबे समय से लंबित मांगें पूरी हो रही हैं।

बीसीसीआई ने अफवाहों पर लगाया विराम, रिपोर्ट का दावा- अजीत अगरकर ने नहीं मांगा कार्यकाल विस्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने 2027 वनडे विश्व कप तक अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग नहीं की है। अगरकर का कार्यकाल सितंबर 2026 में समाप्त होने वाला है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के मुख्य चयनकर्ता के रूप में भविष्य का फैसला उनके अनुबंध की समाप्ति के बाद ही किया जाएगा। अगरकर ने 2023 में वरिष्ठ पुरुष चयन समिति के अध्यक्ष का पदभार संभाला था और भारतीय टीम की टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद 2025 में उनके अनुबंध को एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था।

इस महीने की शुरुआत में टी20 विश्व कप 2026 में जीत के बाद, ऐसी अफवाहें फैल रही थीं कि अगरकर ने खुद बीसीसीआई से अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप तक अपना कार्यकाल बढ़ाने का अनुरोध किया है। हालांकि, बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन अफवाहों का स्पष्ट खंडन करते हुए कहा कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है और इस मामले पर चर्चा तभी शुरू होगी जब अगरकर का कार्यकाल सितंबर 2026 में समाप्त हो जाएगा।

बीसीसीआई अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अगरकर के लिए खुद कार्यकाल बढ़ाने का अनुरोध करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि संविधान के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक अपने पद पर बना रह सकता है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि चयन समिति बीसीसीआई की एक उप-समिति है और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। उन्होंने आगे कहा कि अजीत का अनुबंध सितंबर में समाप्त हो रहा है और उसके बाद बीसीसीआई सचिव और अजीत को यह तय करना होगा कि क्या वह अगले साल के वनडे विश्व कप तक बने रहेंगे। संविधान के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक बने रह सकते हैं और उन्हें अनुबंध विस्तार के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। इस महीने की शुरुआत में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अजित अगरकर को श्रेय देते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत ने टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने पत्रकारों से कहा कि अजीत अगरकर को काफी आलोचना झेलनी पड़ती है, लेकिन जिस ईमानदारी से उन्होंने काम किया है, वह सराहनीय है। अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने पिछले कुछ दौरों में खराब प्रदर्शन के कारण शुभमन गिल को विश्व कप टीम से बाहर करने का कठिन निर्णय लिया और ईशान किशन को भी टीम में वापस शामिल किया।

युजवेंद्र चहल ने आईपीएल 2026 से पहले उठाया बड़ा कदम, छह महीने से शराब को नहीं लगाया हाथ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन से पहले अपनी फिटनेस और प्रदर्शन को प्राथमिकता देने के लिए शराब का सेवन बंद कर दिया है। उन्होंने एबी डी विलियर्स के यूट्यूब चैनल एबी डी विलियर्स 360 पर हुई बातचीत के दौरान यह खुलासा किया। चहल ने पिछले आईपीएल सीजन में लगी चोटों के बारे में बताते हुए कहा कि केकेआर के खिलाफ मैच के बाद मेरी कूल्हे की हड्डी टूट गई थी, और टूर्नामेंट में आगे चलकर मेरी उंगली के जोड़ में भी फ्रैक्चर हो गया। इसलिए सेमीफाइनल (क्वालिफायर) और फाइनल में मैं अपनी सही लेग-स्पिन गेंदबाजी नहीं कर पाया। लेकिन इस साल मैं अपने शरीर का ख्याल रखना चाहता था, और आपके लिए एक अच्छी खबर हैः मैंने शराब पीना छोड़ दिया है। छह महीने से ज्यादा हो गए हैं।

35 साल की उम्र में, चहल ने आगामी सीज़न में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के लिए पूरी तरह फिट रहने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की महत्वाकांक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अब मैं और अधिक सक्रिय रहना चाहता हूं और अपनी टीम के लिए अपना 150इ देना चाहता हूं। एक वरिष्ठ गेंदबाज और वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में, लोग मुझे देखेंगे और सोचेंगे, 'इस खिलाड़ी से हमें कुछ सीखना चाहिए। चहल ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) में रिकी पोंटिंग और श्रेयस अय्यर के नेतृत्व और मिलनसार स्वभाव की भी सराहना की, और टीम के भीतर सौहा द और भूमिकाओं के स्पष्ट निर्धारण पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि रिकी और श्रेयस ने आईपीएल के दौरान दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) में एक साथ काम किया है, इसलिए उनके बीच वह घनिष्ठ संबंध है, और मैं मुंबई इंडियंस में रहते हुए उनके डपोटिंग साथ खेला था। लेकिन जब मैं उनसे मिला, तो वे खिलाड़ियों और उनकी भूमिकाओं को लेकर बहुत स्पष्ट थे। एक खिलाड़ी के तौर पर आप यही सबसे अच्छी बात चाहते हैं। लेग स्पिनर ने उनकी सुलभता और दोस्ताना माहौल पर जोर देते हुए कहा कि उनसे बात करना बहुत आसान है - आप कभी भी वहां जा सकते हैं, रिकी को मैसेज कर सकते हैं, वह हमेशा उपलब्ध रहते हैं। श्रेयस के साथ भी ऐसा ही है। आपको ऐसा नहीं लगता कि वह आपके कप्तान हैं - वह तो बस आपके दोस्त हैं। 2025 में उपविजेता रही पंजाब किंग्स 31 मार्च को न्यू चंडीगढ़ में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत करेगी।

दिल्ली कैपिटल्स की बढ़ी टेंशन, स्टार गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क शुरुआती मैचों से हुए बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 28 मार्च से शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। सीज़न शुरू होने से पहले ही, विभिन्न फ्रेंचाइजी कई चोटों से जूझ रही हैं। नाथन एलिस, सैम कुरेन, जैक एडवर्ड्स और कई अन्य खिलाड़ी चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। नए सीज़न से पहले, दिल्ली कैपिटल्स को एक बड़ा झटका लगा है क्योंकि उनके दिग्गज तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क आईपीएल 2026 के शुरुआती चरणों में नहीं खेल पाएंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि स्टार्क कितने मैच नहीं खेल पाएंगे, लेकिन यह शुरुआती चरणों में कुछ मैच हो सकते हैं। गौरतलब है कि स्टार्क को आईपीएल 2025 सीज़न से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने 11.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। वह जोश हेज़लवुड और पैट कमिंस के साथ उन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जो आईपीएल 2026 के शुरुआती मैचों में नहीं खेलेंगे। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) स्टार्क और अपने अन्य मल्टी-फॉर्मेट गेंदबाजों के मामले में सतर्कता बरत रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय टीमों के आगामी महत्वपूर्ण मुकाबले हैं। दिल्ली कैपिटल्स की बात करें तो, स्टार्क की अनुपस्थिति में टीम लुंगी एनगिडी, टी. नटराजन, औकिब नबी डार, काइल जैमीसन और दुशमंथा चमीरा जैसे खिलाड़ियों पर निर्भर रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय टीम अगले साल कई टेस्ट मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है और दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के दौरे करेगी। इसके बाद टीम 2027 में दक्षिण अफ्रीका में अपने वनडे विश्व कप खिताब का बचाव करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने स्टार मल्टी-फॉर्मेट गेंदबाजों के प्रति सतर्कता बरत रहा है, क्योंकि आगे का शेड्यूल काफी व्यस्त हैः अगस्त से, टेस्ट टीम 12 महीनों में 21 मैच खेलेगी, जिसमें दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के ऐतिहासिक दौरे शामिल हैं, और फिर 2027 के अंत में दक्षिणी अफ्रीका में अपने वनडे विश्व कप खिताब का बचाव करेगी। इन तीनों गेंदबाजों की उपलब्धता अगले कुछ हफ्तों में उनके खेल में वापसी के प्रोटोकॉल में हुई प्रगति पर निर्भर करेगी।

आईपीएल 2026 से पहले अभिषेक शर्मा को अनिल कुंबले का मंत्र, एसआरएच को जिताना है तो सहवाग जैसा बनना होगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले का मानना है कि शानदार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपनी आक्रामकता और क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहने के बीच सही संतुलन बनाना होगा जैसा वीरेंद्र सहवाग ने अपने करियर के दौरान किया था। पच्चीस साल के अभिषेक हाल में शीर्ष क्रम के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। वे अक्सर ज्यादा जोखिम और ज्यादा रन जुटाने (हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड) वाले अंदाज से शानदार शुरुआत दिलाते हैं। हालांकि वह अपनी तेज शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में ज्यादातर नाकाम रहे हैं।

कुंबले ने कहा, "मैं उनकी तुलना वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी से करूंगा क्योंकि वह हर गेंद को स्मैश करने की कोशिश करते थे। जब वह टेस्ट क्रिकेट से वनडे क्रिकेट और फिर टी20 क्रिकेट में आए तो उन्हें अहसास हुआ कि उन्हें अपनी पारी की गति थोड़ी अलग तरह से तय करनी होगी। " उन्होंने 'जियो स्टार' से कहा, "लेकिन सहवाग तब भी 140-150 के स्ट्राइक रेट से खेलते थे। अभिषेक शर्मा को इस बारे में सोचना शुरू करना चाहिए। उन्हें खुद से पूछना चाहिए, 'मैं 200 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहा हूं, मुझसे उम्मीदें लगी हुई हैं, तो क्या अब मुझे 300 के स्ट्राइक रेट से खेलना चाहिए या नहीं?' आपको बस सामान्य रहना है। आपको ज्यादा से ज्यादा गेंदें खेलनी हैं। "

क्यों आईपीएल के शुरुआती मैच मिस करेंगे लॉकी फर्ग्यूसन? पीबीकेएस के पेसर ने खुद बताई वजह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) का प्रतिनिधित्व करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। हाल ही में भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के दौरान, फर्ग्यूसन ने अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए कुछ समय के लिए पितृत्व अवकाश लिया था। बाद में वे सुपर आठ चरण के लिए न्यूजीलैंड टीम में वापस शामिल हो गए।

अहमदाबाद में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल के नौ दिन बाद, फर्ग्यूसन ने हैमिल्टन के खिलाफ शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 3/16 विकेट लिए और पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड को सीरीज बराबर करने में मदद की। ऑकलैंड में होने वाले उस मैच से पहले, उन्होंने बताया कि हाल ही में उनके बेटे के जन्म ने उनकी प्राथमिकताओं को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि अभी-अभी मेरा एक छोटा बेटा हुआ है, मैं घर पर जितना हो सके उतना समय बिताने और पत्नी की मदद करने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद मुझे कुछ हफ्तों का आराम मिलेगा, फिर मैं आईपीएल के अगले चरणों की तैयारी करूंगा और सर्दियों के लिए बाहर जाऊंगा।

अपनी गति और अहम मौकों पर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मशहूर दाएं हाथ के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन के आईपीएल 2026 सीजन के अंत में पीबीकेएस में फिर से शामिल होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय टीम में अपनी भागीदारी के बारे में बताते हुए फर्ग्यूसन ने कहा कि ब्लैक कैप्स के लिए खेलना हमेशा खुशी की बात होती है, भारत में टीम के साथ बिताए समय का मैंने खूब आनंद लिया, लेकिन दुर्भाग्य से सीजन की शुरुआत में ही चोटें लग गईं। मैं घरेलू क्रिकेट खेलना चाहता था और दर्शकों के सामने खेलने का मौका मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

टॉम लैथम का तूफान! न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 8 विकेट से रौंदा, सीरीज में हासिल की लीड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने अपनी चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मैच खेलकर अपनी पारी को आगे बढ़ाया। 20 मार्च को ऑकलैंड के ईडन पार्क में दोनों टीमें आमने-सामने आईं। टॉस हारने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही दक्षिण अफ्रीका की टीम पूरी तरह से बेबस नजर आई, क्योंकि न्यूजीलैंड ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया। प्रोटियाज की पारी की शुरुआत में वियान मुल्डर शून्य पर आउट हुए और टोनी डीजोरजी ने 15 रन बनाए।

जेसन स्मिथ ने 10 रन जोड़े, जबकि जॉर्ज लिंडे और नकोबानी मोकोएना ने क्रमशः 23 और 26ङ रन बनाए। न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के दम पर मेहमान टीम पहली पारी में 136 रनों पर सिमट गई। मेजबान टीम की बात करें तो काइल जैमीसन, मिशेल सैंटनर और बेन सियर्स ने दो-दो विकेट लेकर सर्वोच्च विकेट हासिल किए। लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची और जेम्स नीशम ने भी एक-एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, न्यूजीलैंड ने शानदार शुरुआत की, सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 26 गेंदों में 39 रन बनाए। हालांकि, टॉम लैथम के प्रदर्शन ने ब्लैक कैप्स को शानदार जीत दिलाई। कॉनवे के साथ पारी की शुरुआत करते हुए, लैथम ने 55 गेंदों में 63ङ रन बनाए, जबकि टिम रॉबिन्सन ने 17 गेंदों में 17 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने आठ विकेट से जीत दर्ज की और श्रृंखला में बढ़त बना ली। दक्षिण अफ्रीका की बात करें तो, केशव महाराज दूसरी पारी में एकमात्र विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे पर एचडीएफसी बैंक में संकट?

भारतीय रिजर्व बैंक बोला- चिंता नहीं, बैंक की बुनियाद मजबूत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एचडीएफसी बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 'मूल्यों और नैतिकता' पर मतभेदों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दे दिया है। देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक के प्रबंधन ने इस्तीफे के कारण को 'हैरान' करने वाला बताया है। प्रबंधन का कहना है कि बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद चक्रवर्ती ने चीजों को साफ-साफ नहीं बताया। चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद एचडीएफसी बैंक समूह के अनुभवी अधिकारी केकी मिस्त्री को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि चक्रवर्ती और कार्यकारी नेतृत्व के बीच 'संबंधों में कुछ समस्याएं' हो सकती हैं, लेकिन उन्हें इस्तीफे के पीछे कोई ठोस कारण नहीं मिला।

मिस्त्री ने कहा कि बैंक का परिचालन और संचालन स्थिर और मजबूत बना हुआ है। यह पहली बार है कि एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन ने बैंक के कामकाज पर चिंता जताते हुए कार्यकाल के बीच में ही इस्तीफा दिया है। उन्होंने 17 मार्च को लिखे अपने इस्तीफे में कहा, "पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी चीजें और गतिविधियां देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है।" संचालन, नामांकन और पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन एच. के. भनवाला को लिखे पत्र में चक्रवर्ती ने कहा, "उपरोक्त कारणों के अलावा मेरे इस्तीफे का कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है।"

एचडीएफसी बैंक ने बुधवार देर शाम शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चक्रवर्ती ने 18 मार्च, 2026 को तत्काल प्रभाव से अंशकालिक चेयरमैन एवं स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। गौरतलब है कि चक्रवर्ती को आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के पद से सेवानिवृत्ति के लगभग एक वर्ष बाद, पांच मई, 2021 से बैंक का अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 में तीन वर्ष के लिए बढ़ाकर चार मई, 2027 तक कर दिया गया था। गुजरात कैडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी चक्रवर्ती अप्रैल, 2020 में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इससे पहले वह निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव थे। ये दोनों विभाग वित्त मंत्रालय के अधीन आते हैं।

मोबाइल ग्राहक का बदला मूड? एयरटेल बना पहली पसंद, ट्राई के ताजा आंकड़ों ने सबको चौंकाया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारती एयरटेल ने जनवरी में 44.06 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़कर साल के पहले महीने में बड़ी बढ़त हासिल की है। वहीं, दूरसंचार नियामक ट्राई द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस जियो के नेटवर्क से इस दौरान 24.37 लाख नए मोबाइल ग्राहक जुड़े। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी जियो ने जनवरी में 24.37 लाख मोबाइल कनेक्शन जोड़े, जिससे उसके कुल वायरलेस ग्राहकों की संख्या बढ़कर 49.14 करोड़ हो गई। विशेष रूप से भारती एयरटेल ने इस महीने के दौरान अपनी बाजार स्थिति मजबूत की और 44.06 लाख नए वायरलेस ग्राहक जोड़े। इसके साथ ही जनवरी में एयरटेल का ग्राहक आधार बढ़कर 46.77 करोड़ पहुंच गया।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर, 2025 में एयरटेल के ग्राहकों की संख्या 46.33 करोड़ थी। दूसरी ओर, वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) को इस दौरान नुकसान उठाना पड़ा और उसके 4.11 लाख मोबाइल ग्राहक कम हो गए। इसके साथ ही कंपनी के वायरलेस ग्राहकों की संख्या घटकर 19.9 करोड़ रह गई। ट्राई ने बयान में कहा कि जनवरी, 2026 के अंत तक देश में कुल ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या बढ़कर 105.27 करोड़ हो गई है, जो दिसंबर, 2025 के अंत में 105.06 करोड़ थी।

ब्रॉडबैंड खंड (वायर वाले और बिना वायर वाले) में भी रिलायंस जियो 51.75 करोड़ ग्राहकों के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद एयरटेल (35.92 करोड़) और वोडाफोन आइडिया (12.89 करोड़) का स्थान है। बाजार हिस्सेदारी के मामले में जियो के पास 49 प्रतिशत से अधिक और एयरटेल के पास 34.13 प्रतिशत हिस्सा है। सरकारी कंपनी बीएसएनएल के ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 2.96 करोड़ दर्ज की गई।

संजय दत्त पर भी गिरी गाज, एक गाने के चलते जमाने भर में बदनाम हुईं नोरा फतेही, आखिर कौन है जिम्मेदार?

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही अपने गाने 'सरके चुनरी तेरी' की वजह से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है जब कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डेविल' के इस गाने को रिलीज किया गया था. 14 मार्च 2026 को जैसे ही ये गाना रिलीज हुआ वैसे ही फैंस के बीच हंगामा मच गया. दावा किया गया कि नोरा फतेही का ये गाना अश्लीलता से भरा हुआ है. जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने नोरा फतेही को ट्रोल करना शुरू कर दिया. हाल ये हो गया कि ये मामला कोर्ट तक पहुंच गया और इस गाने पर बैन लगा दिया गया. इस गाने पर बैन लगते ही फिल्म के मेकर्स और म्यूजिशियन्स के बीच बवाल मच गया है. हर कोई इस विवाद से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है. अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है जब नोरा फतेही ने एक वीडियो शेयर करके इस मामले पर खुलकर बात की थी.

नोरा फतेही ने दावा किया था कि ये गाना असल में कन्नड़ में बनाया गया है, जिसका मतलब उनको नहीं पता था. तीन साल पहले जब नोरा फतेही ने ये गाना साइन किया था तब उनको कुछ अश्लीलता नजर नहीं आई थी. नोरा फतेही को बिना बताए गाने के साथ छेड़छाड़ की गई है. अब रिलीज होने के बाद नोरा फतेही के गाने पर हंगामा मच रहा है. नोरा फतेही ने बिना देर किए इस गाने से ही पल्ला झाड़ लिया है. किसी गाने की वजह से भला नोरा फतेही क्यों लोगों के गुस्से का सामना करेंगी.

नोरा फतेही का गाना बैन होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर हंगामा मचा हुआ है. गाने सरके चुनर तेरी से जुड़े लोगों ने बयानबाजी शुरू कर दी है. हाल ही में इस गाने को गाने वाली सिंगर मंगली ने जमाने के सामने माफी मांगी है. मंगली ने दावा किया है कि फिल्म के गाने के बोल बदल दिए गए हैं. वहीं फिल्म के गीतकार ने दावा किया है कि ये शब्द उनके लिखे हुए ही नहीं हैं. एक्टर ने पल्ला झाड़ लिया.. गाना लिखने वाले ने भी कदम पीछे कर लिए हैं. ऐसे में गलती किसकी है. कोई भी इस गो के बारे में बात करने के लिए तैयार नहीं है. इससे साफ पता चलता है कि अब फिल्म के डायरेक्टर को ही सब गलत बताने वाले हैं क्योंकि उनसे पूछे बिना कोई काम नहीं किया जा सकता. खबर आ रही है कि सरके चुनरी सरके की वजह से संजय दत्त भी फंसते नजर आ रहे हैं. दावा किया जा रहा है कि इस गाने पर बैन होने के बाद संजय दत्त को समन भेज दिया गया है. दावा किया जा रहा है कि संजय दत्त के साथ साथ नोरा फतेही को भी नेशनल कमीशन फॉर वूमेन ने समन भेजा है. कहा गलत नहीं होगा कि एक गाने की वजह से फिल्म की कास्ट की हालत खराब हो गई है. दावा किया गया है कि गाने में आपत्तिजनक कंटेंट का इस्तेमाल किया गया है.

शादी के 10 साल बाद दिव्यांका त्रिपाठी के घर गूंजेगी किलकारी, इमोशनल पोस्ट में प्रेग्नेंसी की घोषणा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेगनेंसी की घोषणा कर दी है। पिछले कुछ दिनों से उनके मां बनने की खबरें सोशल मीडिया पर चल रही थीं, लेकिन अब उन्होंने खुद इस बात की पुष्टि कर दी है।

बीते दिन एक इंटरव्यू के दौरान भी उन्होंने बताया था कि वह जल्द ही मां बनने वाली हैं और जून या जुलाई के आसपास अपने बच्चे को जन्म देंगी। इस खबर से उनके फैंस और परिवार में खुशी का माहौल है। दिव्यांका ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बहुत ही भावुक शब्दों में यह खुशखबरी साझा की। उन्होंने लिखा कि उनकी जिंदगी में 10 साल बाद एक नया और खूबसूरत मोड़ आया है।

उन्होंने कहा कि कुछ सफर जल्दी पूरे करने के लिए नहीं होते, बल्कि साथ मिलकर समझदारी से तय किए जाते हैं। जब लगता है कि कहानी पूरी हो गई है, तभी जिंदगी उसमें सबसे सुंदर अध्याय जोड़ देती है। उन्होंने यह भी लिखा कि वे इस एहसास में डूबे हुए हैं, बिना वजह मुस्कुरा रहे हैं और दिल से आभारी हैं कि वे माता-पिता बनने वाले हैं।

दिव्यांका ने विक्की लालवानी से बातचीत में अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'हमारा बेबी जून के बीच में आने वाला है। मैं और विवेक काफी समय से बच्चा चाहते थे। हमने कोशिश की और हमें ये खुशी मिली। यह हमारे लिए भगवान का आशीर्वाद है।'

उन्होंने आगे बताया कि उनके माता-पिता भी इस खबर से बहुत खुश हैं। सबसे पहले उन्होंने यह खुशखबरी अपने पति विवेक को दी और फिर अपने माता-पिता को बताया।

दिव्यांका ने कहा कि उन्हें लड़का या लड़की, किसी भी बात की कोई खास पसंद नहीं है। उनके लिए बस बच्चा स्वस्थ हो, यही सबसे जरूरी है। उन्होंने बताया कि उन्होंने लगभग 6 महीने तक इस खबर को छुपाकर रखा, क्योंकि वह बहुत कम बाहर जा रही थीं। अभी तक बेबी की शॉपिंग शुरू नहीं हुई है,

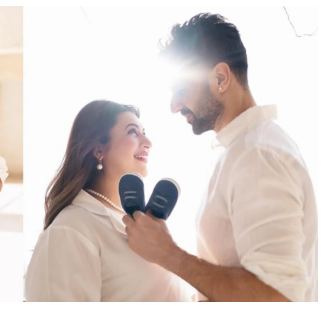

पश्चिम रेलवे-रतलाम मण्डल
निविदा सूचना
M247GLRSG7BOGIE252633
DATE 19.03.2026
कार्य का नामः— WAG–7 लोको की बोगी फ्रेम का रिपेयर/ओवरहोलिंग। स्थानः मु. का. प्र./दाहोद प. रेलवे कार्यालय, **2. कार्य की अनुमानित लागतः**— Rs.1,25,76,907/-, **3. बयाना राशिः**— Rs. 2,51,600/-, **4. ई–निविदा जमा करने तथा खुलने की दिनांक तथा समयः**— ई–निविदा जमा करने की नियत दिनांक तथा समय 08.04.2026 को 14.30 बजे तक तथा ई–निविदा उसी दिन 15.00 बजे खोली जायेगी। **5. निविदा सूचना तथा प्रपत्र उपलब्धता :— www.ireps.gov.in** / E-Tenders / Works / IR Electrical.
17/1/518
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

हिमाचल में भारी बारिश-बर्फबारी, हिमखंड गिरा; तीन नेशनल हाईवे समेत 100 सड़कें बंद

शिमला/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच शुक्रवार को भी ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले में झमाझम बारिश हुई। शुक्रवार को धौलाधार, रोहतांग दर्रा और पांगी-भरमौर की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी का दौर जारी रहा। लाहौल के बारालाचा, कुंजम, शिंकुला दर्रा सहित घेपन पीक, सीबी रेंज की पहाड़ी पर 70 से 80 सेंटीमीटर बर्फबारी का अनुमान है। अटल टनल रोहतांग में करीब 90 सेंटीमीटर तक ताजा बर्फबारी हुई है। शिमला जिले के कुफरी, नारकंडा और किन्नौर के छितकुल, कल्पा समेत कई क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है। राजधानी शिमला, कांगड़ा, मंडी, चंबा, हमीरपुर और ऊना में दिन भर बारिश रही। राजधानी शिमला में दो दिन से बारिश जारी है। हिमाचल में पांच दिन से बारिश-बर्फबारी का दौर चल रहा है, ऐसे में समूचा प्रदेश ठंड की चपेट में है। तापमान में भारी गिरावट से मार्च में जनवरी जैसी ठंड पड़ रहा है। प्रदेश में अधिकतम तापमान 10 डिग्री तक गिर गया है।

उधर, त्रिलोकनाथ जीरो पॉइंट से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे वामतट की पहाड़ी से हिमखंड चिनाब नदी पर गिरा। इससे नदी का बहाव तकरीबन एक घंटे के लिए पूरी तरह से झील में बदला रहा।

बर्फबारी और बारिश से तीन एनएच मनाली-केलांग, आनी कुल्लू और रामपुर-किन्नौर समेत 100 सड़कों पर यातायात अवरुद्ध हुआ है। मनाली-केलांग अटल टनल रोहतांग, आनी-कुल्लू जलोड़ी जोत में 45 सेंटीमीटर बर्फबारी होने से बंद है। जबकि रामपुर-किन्नौर एनएच नाथपा में पहाड़ी दरकने से बंद हो गया है।

मनाली-केलांग सड़क बंद होने से लाहौल का संपर्क कट गया है। लाहौल में बिजली भी ठप है।नालागढ़ में बारिश से गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। उधर, भरमौर-पांगी की ऊपरी चोटियों में 30.48 सेंटीमीटर तो निचले क्षेत्र भरमौर मुख्यालय 7.62 सेंटीमीटर ताजा बर्फबारी हुई। कांगड़ा जिले में बारिश से खड्डों-नालों में पानी का जल स्तर बढ़ गया। मौसम खराब रहने के कारण गगल एयरपोर्ट पर दिल्ली से उड़ानें भी रद्द रहीं। भुंतर से शुक्रवार को तीसरे दिन भी कोई उड़ान नहीं हुई। मंडी में शिकारी देवी समेत ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी हुई और निचले में बारिश जारी रही।

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश-बर्फबारी के आसार

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, शनिवार और रविवार को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्का हिमपात और बारिश की संभावना है। वहीं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अगले 24 घंटों में कुल्लू के साथ लाहौल-स्पीति, चंबा, किन्नौर के 3,000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर हिमस्खलन होने की चेतावनी दी है।

केलांग में 0.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड

राजधानी शिमला में अधिकतम तापमान 8.4, दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग 9 डिग्री कम है। मनाली में 4.8 डिग्री, भुंतर में 9.5 डिग्री, धर्मशाला में 12.0 डिग्री, कल्पा में 3.5 डिग्री और केलांग में 0.8 डिग्री रहा। केलांग प्रदेश में सबसे ठंडा रहा।

भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहती हैं आरजी कर पीड़िता की मां, कांग्रेस ने किया समर्थन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा मोड़ आ गया है। दरअसल, आरजी कर मेडिकल कॉलेज में दरिंदगी का शिकार हुई ट्रेनी डॉक्टर की मां ने अब सिस्टम से सीधा टकराने का फैसला किया है। उन्होंने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरने की इच्छा जाहिर की है। उनके इस फैसले के बाद राजनीतिक गरियारों में हलचल तेज हो गई है।

कांग्रेस ने किया समर्थन

हैरत की बात यह भी है कि कांग्रेस पार्टी ने इस फैसले का खुला समर्थन किया है। कांग्रेस नेता राकेश सिन्हा ने कहा कि अगर एक पीड़ित मां व्यवस्था को चुनौती देने और अपनी बेटी जैसी अन्य बेटियों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के इरादे से राजनीति में आ रही है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। चुनाव लड़ना अपनी आवाज बुलंद करने और जवाबदेही तय करने का एक सशक्त जरिया है।'

पानीहाटी सीट से ठोकेंगी ताल

पीड़िता की मां ने उत्तर 24 परगना के पानीहाटी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। उन्होंने खुलासा किया कि बीजेपी की ओर से उन्हें पहले भी प्रस्ताव मिला था, लेकिन उस वक्त वह मानसिक रूप से तैयार नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'अब मैं अपनी बेटी के लिए न्याय और राज्य की हर महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए

लड़ना चाहती हूं। कई पार्टियों ने मेरी बेटी की मौत का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश की, लेकिन मेरा मकसद सिर्फ इंसाफ है।'

भाजपा ने नहीं लगाई है मुहर

हालांकि पीड़िता की मां ने अपनी मंशा साफ कर दी है, लेकिन बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व ने अभी इस पर अंतिम मुहर नहीं लगाई है। प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा कि उम्मीदवार तय करने का अधिकार दिल्ली की संसदीय समिति के पास है। फिलहाल पानीहाटी सीट को पहली सूची में शामिल नहीं किया गया है, जिससे अटकलें तेज हैं कि पार्टी किसी विशेष रणनीति के तहत इस नाम की घोषणा बाद में करेगी।

लंबे इंतजार के बाद सीएम धामी ने किया मंत्रिमंडल का विस्तार, 5 नए चेहरों की एंट्री

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह लोकभवन में आयोजित किया गया। मदन कौशिक (हरिद्वार), खजान दास (राजपुर रोड), भरत सिंह चौधरी (रुद्रप्रयाग), राम सिंह कैरा (भीमताल), और प्रदीप बत्रा (रुड़की) ने नए उत्तराखंड कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पांच नेताओं के मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सबसे पहले, मैं उन सभी सम्मानित व्यक्तियों को बधाई देना चाहता हूं जिन्हें आज मंत्रिपरिषद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

धामी ने आगे कहा कि मैं उन सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। ये सभी लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं। इनके साथ मिलकर हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने में योगदान देंगे और ये सभी गणमान्य व्यक्ति इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उत्तराखंड सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने के बाद भाजपा विधायक मदन कौशिक ने कहा कि आज मैंने सरकार

में मंत्री पद की शपथ ली है। पार्टी जो भी कार्य सौंपेगी, पार्टी कार्यकर्ता के रूप में उसे पूरा करना मेरा कर्तव्य है। चाहे वह संगठन की जिम्मेदारी हो या सरकार की, जब भी मुझे जिम्मेदारी दी गई है, मैंने उसे पूरा किया है... हम राज्य के विकास के लिए तेजी से काम करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि कुंभ मेले की भव्य और दिव्य तैयारियां चल रही हैं। एक भव्य कुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा। राम सिंह कैरा ने कहा कि आज मैंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में मंत्री पद की शपथ ली है। हमारी प्राथमिकता राज्य की जनता की सेवा करना है... हम पूरी ईमानदारी से काम करेंगे... हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना भी है कि विकास हर गांव तक पहुंचे, निर्णय युवाओं के हित में लिए जाएं। खजान दास ने कहा कि मैं भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मुझ पर भरोसा जताने के लिए धन्यवाद देता हूं। अप्रैल 2023 में सामाजिक कल्याण और परिवहन मंत्री चंदन रामदास के निधन के बाद मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या घटकर आठ रह गई। पिछले साल संसदीय कार्य और वित्त प्रभारी प्रेम चंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद यह संख्या और घटकर सात हो गई। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की अधिकतम संख्या 12 है।

वन्यजीवों के घर उजाड़े तो गिरेगी गाजः चंबल अभयारण्य में अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त; तीन राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध रेत खनन को लेकर गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि संरक्षित क्षेत्र में वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को नष्ट करना एक गंभीर अपराध है। इसके लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम समेत कई अन्य कानूनों के तहत सजा और जुर्माने का प्रावधान है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर अवैध खनन नहीं रुका, तो संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

अफसरों पर होगी सीधी कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के वन, खनन और जल संसाधन विभागों के अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं। उनकी लापरवाही और सुस्ती की वजह से ही चंबल नदी के किनारे अवैध खनन फल-फूल रहा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन अधिकारियों को इस विनाश में मदद करने का दोषी माना जाएगा। अगर वे अवैध खनन को रोकने के लिए ठोस

कदम नहीं उठाते हैं, तो उन पर कानूनी गाज गिरना तय है।

दुर्लभ जीवों के अस्तित्व पर आया संकट

नेशनल चंबल सेंचुरी करीब 5,400 वर्ग किलोमीटर में फैली है और यह तीन राज्यों की सीमाओं को छूती है। यह इलाका लुप्तप्राय घड़ियालों, लाल सिर वाले कछुओं और गंगा की दुर्लभ डॉल्फिन का मुख्य ठिकाना है। कोर्ट ने उन मीडिया रिपोर्टों पर संज्ञान लिया है जिनमें बताया गया कि कैसे रेत खनन की वजह से इन जीवों के अंडे देने और रहने की जगह खत्म हो रही है। कोर्ट ने इस मामले में खुद संज्ञान लेते हुए इसे एक गंभीर मुद्दा माना है।

राजस्थान सरकार के फैसले पर भी नजर

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा अभयारण्य की करीब 732 हेक्टेयर जमीन को संरक्षित श्रेणी से बाहर करने के फैसले का भी जिक्र किया। कोर्ट ने कहा कि इन सभी पहलुओं पर राज्य सरकारों के जवाब मिलने के बाद विस्तार से विचार किया जाएगा। कोर्ट यह देखना चाहता है कि क्या सीमा बदलने के इस फैसले से वन्यजीवों के आवास पर कोई बुरा असर पड़ा है।

अगली सुनवाई 2 अप्रैल को होगी

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने दो वकीलों को न्याय मित्र नियुक्त किया है ताकि वे इस मामले में अदालत की मदद कर सकें। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पिछले साल जिस इलाके में घड़ियाल छोड़े थे, वहां भी अवैध खनन की खबरें आई हैं। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल को होगी, जिसमें राज्य सरकारों को अपना पक्ष रखना होगा।

दिल्ली स्कूलों में 'हाउसफुल' के हालात! 44.9 लाख छात्र और बुनियादी ढांचे की कमी, यूडाईस-प्लस रिपोर्ट में बड़े खुलासे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को लेकर हाल ही में जारी 'यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस' (ळअघ्र्) 2024-25 की रिपोर्ट ने कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के स्कूलों में छात्रों का नामांकन तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उस अनुपात में स्कूल भवनों और संसाधनों का विकास नहीं हो पाया है, जिससे मौजूदा ढांचे पर भारी बोझ पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार प्रति स्कूल औसतन 808 छात्रों का नामांकन है, जबकि छात्र संख्या में वृद्धि की तुलना में स्कूल भवनों की संख्या नहीं बढ़ी है। स्कूलों में कुल 1,61,958 शिक्षक तैनात हैं, जिससे छात्र-शिक्षक अनुपात 28:1 है। इससे संकेत मिलता है कि शिक्षकों की संख्या भी लगभग स्थिर है।

'यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस' 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार स्कूलों की संख्या की तुलना में नामांकन का अनुपात दिल्ली में सबसे अधिक है, जो भीड़ और मौजूदा सुविधाओं पर बढ़ते बोझ की ओर इशारा करता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली सरकार ने 2026-

27 में राजधानी में करीब 50 नए स्कूल भवन और 8,000 अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा है। फिलहाल कुल 5,556 स्कूलों में से 2,681 सरकारी संस्थान हैं, जिससे स्पष्ट है कि बड़ी संख्या में छात्र सार्वजनिक ढांचे पर निर्भर हैं।

आंकड़ों के अनुसार 2,528 स्कूल आधारभूत और प्रारंभिक स्तर के, 803 मध्य स्तर के तथा 2,225 माध्यमिक स्तर के हैं। स्कूलों में आधारभूत और प्रारंभिक स्तर पर 26,560 शिक्षक, मध्य स्तर पर 11,564 और माध्यमिक स्तर पर 1,23,834 शिक्षक हैं। छात्र-शिक्षक अनुपात आधारभूत स्तर पर 14:1, प्रारंभिक स्तर पर 18:1, मध्य स्तर पर 28:1 और माध्यमिक स्तर पर 19:1 है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 1,089 छात्र एकल-शिक्षक वाले स्कूलों में नामांकित हैं, जिससे शिक्षक कार्यभार और कक्षा प्रबंधन को लेकर चिंता बढ़ती है।

आधारभूत सुविधाओं के संदर्भ में 4,720 स्कूलों में बालिकाओं के लिए शौचालय ठीक ठाक हालत में हैं और 4,781 में बालक शौचालय उपलब्ध हैं। हालांकि केवल 430 स्कूलों में डिजिटल पुस्तकालय की सुविधा है, जबकि 1,844 स्कूलों में सौर पैनल लगे हैं। आधार से जुड़े प्रवेश मामलों की संख्या 43,11,104 रही।

सकल नामांकन अनुपात के आंकड़े बताते हैं कि विभिन्न स्तरों पर छात्राओं की भागीदारी अधिक है। माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का अनुपात 95.7 प्रतिशत है, जबकि लड़कों का 88.3 प्रतिशत है। मध्य स्तर पर यह अनुपात 113 लड़कों और 122 लड़कियों, प्रारंभिक स्तर पर 100 लड़कों और 110 लड़कियों और आधारभूत स्तर पर 50 लड़कों और 54 लड़कियों का है।

कायरों हम तुम्हें याद रखेंगे, नाटो देशों पर भड़के ट्रंप, संगठन को बताया कागजी शेर

वांशिगटन। मध्य पूर्व क्षेत्र में युद्ध के बढ़ते प्रकोप के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को नाटो पर जमकर हमला बोला और गठबंधन को पेपर टाइगर बताते हुए कहा कि अमेरिका के बिना वे कुछ भी नहीं हैं। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ लड़ाई में शामिल न होने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में मदद न करने के लिए नाटो की आलोचना की और सहयोगी देशों को

कायर करार दिया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के बिना, नाटो एक कागज़ी शेर है! वे परमाणु शक्ति संपन्न ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते थे। अब जब वह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है, और उनके लिए खतरा बहुत कम है, तो वे तेल की ऊंची कीमतों की शिकायत करते हैं, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में मदद नहीं करना चाहते, जो एक साधारण सैन्य कार्रवाई है और तेल की ऊंची कीमतों का एकमात्र कारण है। उनके लिए यह करना कितना आसान है, और इसमें जोखिम भी बहुत कम है। कायर, और हम इसे याद रखेंगे! कुछ दिन पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग नहीं करता, लेकिन वह इसे अन्य सभी देशों के लिए सुरक्षित रख रहा है। उन्होंने नाटो देशों और चीन सहित अन्य विश्व शक्तियों से इसे फिर से खोलने में मदद करने का आग्रह भी किया था। गौरतलब है कि कई यूरोपीय देशों ने घोषणा की थी कि वे इस युद्ध में सैन्य रूप से भाग नहीं लेंगे। पश्चिम एशिया में संघर्ष लगभग चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, और तेल सुविधाओं पर हमले तेज हो गए हैं। विशेष रूप से, होर्मुज जलडमरूमध्य में गंभीर व्यवधान देखा जा रहा है, जिससे व्यापक क्षेत्रीय प्रभाव की आशंकाएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका-इजरायल के रिश्तों में दरार, जंग से भागने का बहाना ढूंढ़ रहे हैं ट्रंप?

वेस्टर्न एशिया की जंग में अब एक ऐसा मोड़ आ गया है जिसने पूरे खेल को बदल कर रख दिया है। जहां अब तक अमेरिका इजराइल एक साथ खड़े नजर आ रहे थे वहीं अब दोनों के बीच दरार खुलकर सामने आने लगी है। ईरान के गैस प्लांट पर हुए हमले ने इस गठबंधन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कौन है इस हमले के पीछे अमेरिका इजराइल किसने किया वॉर? आरोप-प्रत्यारोप का ऐसा दौर शुरू हो चुका है जिसने अब दो दोस्तों में दरार पैदा कर दी है जो एक दूसरे पर उंगली उठा रहे हैं। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि डोनल्ड ट्रंप अब इस जंग से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं।ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच जारी जंग अब और ज्यादा खतरनाक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। हमलों की तीव्रता लगातार बढ़ रही है। पश्चिम एशिया का आसमान मिसाइलों और ड्रोन से भरा हुआ है। कतर से लेकर सऊदी अरेबिया तक आग के गोले बरसने की खबरें सामने आ रही हैं। अब हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि गैस और तेल जैसी अहम ऊर्जा सुविधाएं भी हमलों के निशाने पर आ गई हैं। इसी बीच एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है।

अमेरिका इजराइल के बीच अब दरार खुलकर नजर आने लगी है। ईरान के गैस प्लांट पर हुए हमले को लेकर दोनों देशों के बीच आरोप-प्र्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। जहां पहले दोनों एक साथ खड़े नजर आते थे, वहीं अब जिम्मेदारी लेने से दोनों पीछे हट रहे हैं। बताया जा रहा है कि बुधवार को ईरान की गैस फैसिलिटी पर हमला हुआ। शुरुआती रिपोर्ट्स में इसे इजराइल का हमला बताया गया। लेकिन इजराइल ने दावा किया कि यह कारवाई अमेरिका के साथ मिलकर की गई थी। हालांकि अमेरिका ने इस दावे से साफ इंकार कर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान के गैस प्लांट पर हुए हमले से उनका कोई लेना देना नहीं है और यह पूरी तरह से इजराइल की कारवाई थी। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के अधिकारियों के तौर पर खुद को इस हमले से अलग बताया गया।

इजराइली सूत्र अभी भी इसे संयुक्त ऑपरेशन बता रहे हैं। यानी एक ही हमले दो अलग-अलग दावे और यही टकराव अब इस जंग की दिशा बदलने का संकेत दे रहा है।

भारत के दुश्मनों पर ईरान ने फोड़े बम, रोने लगा पाकिस्तान

तेहरान। मिडिल ईस्ट में भड़की जंग थमने के बजाय और बढ़ती जा रही है। जहां इजराइल और अमेरिका ताबड़तोड़ हमले करते हुए ईरान में मौत का तांडव मचा रहे हैं तो व ईरान भी इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाते हुए उन्हें दहला रहा है। यही नहीं बल्कि जो मुस्लिम देश गद्दारी करते हुए नुकसान पहुंचा रहे हैं उन्हें भी ईरान अब तगड़ा सबक सिखा रहा है। इसी बीच अब ईरान ने भारत के सबसे बड़े दुश्मन और पाकिस्तान के सबसे अच्छे दोस्तों पर भीषण हमला किया है जिसने मुस्लिम देशों में भी हड़कंप मचा दिया है। दरअसल जिस बात का पाकिस्तान को डर था अब ईरान मिडिल ईस्ट में उन मुस्लिम देशों पर अटैक करते हुए उन्हें दहला रहा है।

खबर है कि ईरान ने पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान पर ड्रोन से हमला किया है। ईरान के इस हमले में अजरबैजान को भयंकर नुकसान हुआ है। इसमें कई लोग मारे गए हैं और इसमें कई लोगों के घायल होने की खबर भी है। जिस बिल्डिंग पर ईरान ने अटैक किया है, वह बुरी तरह से तबाह हो गई। चारों तरफ मलबा ही मलबा और चीख पुकार दिखाई दे रही है। यह सब देखकर अजरबैजान तिलमिला उठा है और उसने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें इंटरनेशनल कानून के नियमों और उसीलों के खिलाफ है। अजरबैजान ने औपचारिक आपत्ति दर्ज कराने के लिए ईरान के राजदूत को तलब किया है और तेहरान से घटना के हालात को तुरंत साफ करने और जवाब देने को कहा है। अज़रबैजान की सरकार ने दो टूक कहा है कि हम जवाबी कारवाई करने का अधिकार रखते हैं। दरअसल अज़रबैजान पाकिस्तान का दोस्त है। जबकि भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए बयान देता रहता है। अजरबैजान इंटरनेशनल मोर्चा पर पाकिस्तान का पक्ष लेता है। अज़रान तुर्की और पाकिस्तान त्रिकोणीय गठबंधन बनाते हैं। कुछ ही दिन पहले ही अज़रबैजान के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान की यात्रा की थी। कश्मीर पर अज़र-बैजान भारत के हितों के खिलाफ बयानबाजी देता है। लेकिन ईरान ने अब भारत के इस दुश्मन को भी गद्दारी की सजा देनी शुरू कर दी है। अज़रबैजान ही नहीं बल्कि ईरान ने भारत से गद्दारी करने वाले पाकिस्तान के एक और दोस्त तुर्की पर भी ताबड़तोड़ मिसाइलें दागते हुए तबाही मचाई है। ईरान ने तुर्की को निशाना बनाते हुए बैलेस्टिक मिसाइल दागी है। जिसमें तुर्की को भारी नुकसान हुआ है। हालांकि तुर्की ने दावा किया है कि उसने मिसाइल को हवा में ही नष्ट कर दिया है। ईरान की तरफ से फायर की गई इस बैलस्टिक मिसाइल की जानकारी खुद तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने दी है।

तुर्की उत्तर पश्चिम में ईरान का पड़ोसी है। तुर्की ने आगे पड़ोसी है। तो इस हमले से बौखलाए तुर्की ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि हम अपने क्षेत्र और एयरस्पेस की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम बिना किसी हिचकिचाहट के उठाएंगे। तुर्की ने आगे कहा कि हम सभी पक्षों को याद दिलाते हैं कि हम अपने देश के खिलाफ किसी भी दुश्मनी भरी कार्रवाई का जवाब देने का अधिकार रखते हैं। यानी कि अब जंग की चिंगारी पाकिस्तान के दो दोस्तों तक पहुंच गई है ।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)